mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-280 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
11 अक्टूबर 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

महिला विश्व कप : @ पेज 7

जुबीन गर्ग मौत मामला, सिंगर के दो सिक्योरिटी ऑफिसर गिरफ्तार

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मशहूर सिंगर जुबीन गर्ग की संदिग्ध मौत मामले में उनके दो पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (PSO) को स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया। दोनों का नाम नंदेश्वर बोरा और परेश बैश्य है, जो लंबे समय से जुबीन गर्ग के सिक्योरिटी ऑफिसर थे।

पुलिस ने दोनों को उनके बैंक अकाउंट से पिछले चार-पांच सालों के दौरान 1 करोड़ से ज्यादा के लेन-देन के मामले में गिरफ्तार किया है। इनमें से 70 लाख बोरा और 40 लाख बैश्य के खाते में आए थे। दोनों अफसरों को पहले ही सस्पेंड कर दिया गया था। सिंगर की मौत मामले में अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें जुबीन के चचेरे भाई और DSP संदीपन गर्ग, मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा, सह गायिका अमृतप्रभा महंत, नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के आयोजक श्यामकनु महंत, बैंड के ड्रम मास्टर शेखर ज्योति गोस्वामी शामिल हैं।

जुबीन की 19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान समुद्र में डूबने से मौत हो गई थी।

काबुल में अपने मिशन को दूतावास का दर्जा देगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और उनके अफगानी समकक्ष अमीर खान मुत्ताकी के बीच शुक्रवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता हुई। विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने इस वार्ता को अफगानिस्तान के साथ अपने संबंधों का पुनर्जागरण बताया और काबुल स्थित भारतीय मिशन को दूतावास का दर्जा दिए जाने की घोषणा की।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुत्ताकी 09 से 16 अक्टूबर तक भारत की यात्रा पर हैं। आज उन्होंने विदेश मंत्री के साथ औपचारिक मुलाकात और वार्ता की। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, एक निकटवर्ती पड़ोसी और जनता के शुभचिंतक के रूप में भारत को अफगानिस्तान के विकास और प्रगति में गहरी रुचि है।

सबरीमाला गोल्ड चोरी मामले में केस दर्ज

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि अब तक की जांच से लग रहा है कि सबरीमाला मंदिर के गेट पर रखी दो प्रतिमाओं (द्वारपालक) से सोने की हेराफेरी हुई है। कोर्ट ने मामले में क्रिमिनल केस दर्ज करने और स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) को जांच शुरू करने का निर्देश दिया। जस्टिस राजा विजयराघवन वी और जस्टिस के वी जयकुमार की बेंच ने स्ट्रक्चर को छह हफ्ते के भीतर जांच रिपोर्ट दाखिल करने और हर दो हफ्ते में एक बार जांच की स्टेटस रिपोर्ट पेश करने का भी निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि जांच से जुड़ी कोई भी जानकारी लीक नहीं होनी चाहिए। बेंच ने आगे कहा कि अब तक की जांच से पता चला है उन्नीकृष्णन पोट्टी (सोने की परत चढ़ाने की पेशकश करने वाले स्पांसर) को काफी मात्रा में सोना सौंपा गया था।

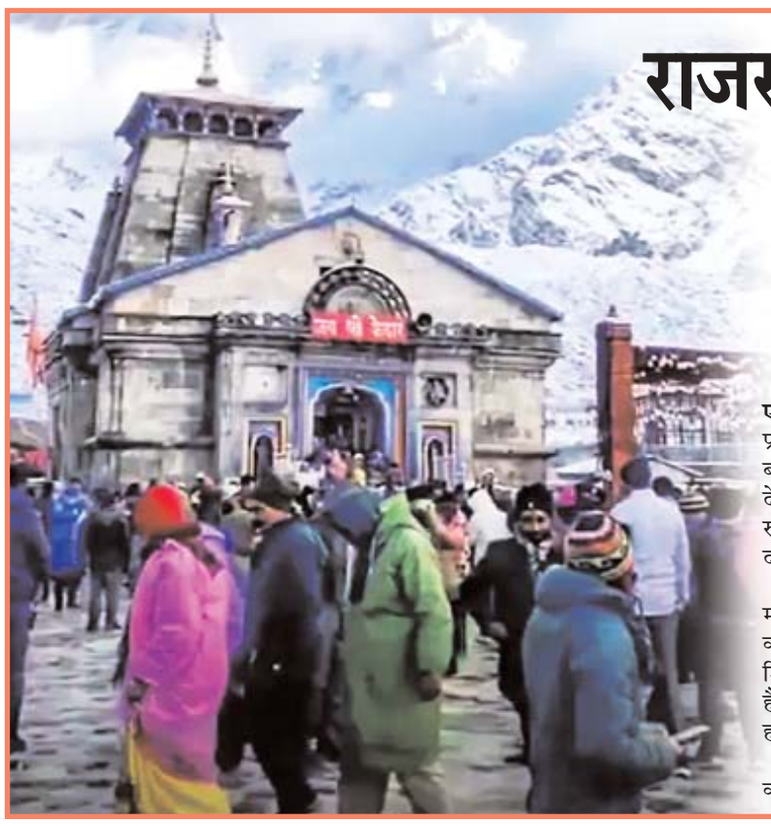

राजस्थान-म.प्र. के शहरों में तापमान 15डिग्री पहुंचा

- पहाड़ों पर बर्फबारी, हिमाचल के केलोंग में पारा -1डिग्री दर्ज; मनाली-लेह हाईवे 4 दिन से बंद

नई दिल्ली/ भोपाल/ लखनऊ, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में पहाड़ों पर बर्फबारी का असर मैदानी राज्यों में देखने को मिल रहा है। हवा का रुख बदल कर उत्तरी होने से ठंड ने दस्तक दे दी है।

हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के कई जिलों में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया है। सुबह सर्द हवाओं के साथ हल्का कोहरा भी छाने लगा है।

मध्य प्रदेश का राजगढ़ गुरुवार को सबसे ठंडा रहा। यहां रात का पारा 15.6°C दर्ज हुआ। भोपाल का न्यूनतम तापमान 1.6°C गिरकर 18 डिग्री पहुंच गया, जो सामान्य से 2.4ए कम है।

राजस्थान के सिरोही में भी रात का तापमान 15.2ए रहा। सीकर में न्यूनतम तापमान 16 डिग्री, पिलानी में 16.6 डिग्री और अजमेर में 16.9 डिग्री दर्ज किया गया।

हिमाचल के लाहौल स्पीति में -1डिग्री तापमान : हिमाचल प्रदेश में लगातार चार दिन बारिश और बर्फबारी के बाद गुरुवार को मौसम साफ रहा। हालांकि, कुल्लू, लाहौल स्पीति, किन्नौर, चंबा, मंडी, कांगड़ा और शिमला में बर्फ की चादर बिछी है। लाहौल-स्पीति के केलोंग में कल सबसे कम तापमान -1°C दर्ज किया गया। कुकुमसेरी में -0. 9°C तापमान रहा। शिमला में न्यूनतम तापमान 9.8डिग्री और मनाली में 7.7 डिग्री दर्ज किया गया।

हेमकुंड साहिब-लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट बंद

2.74 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन, श्रद्धालुओं की भीड़; अंतिम अरदास हुई

चमोली ,एजेंसी। चमोली स्थित श्री हेमकुंड साहिब के कपाट शीतकाल के लिए आज यानी 10 अक्टूबर को दोपहर एक बजे के बाद बंद कर दिए गए। कपाट बंद होने की प्रक्रिया सुबह 10 बजे सुखमणि साहिब के पाठ के बाद से शुरू हुई। गुरुद्वारा साहिब और मंदिर को फूलों से सजाया गया है, और सबद-कीर्तन का आयोजन हुआ। कपाट बंद होने के समय ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र जीत सिंह बिन्द्रा और 9वीं स्वतंत्र पर्वातारोहण बिग्रेड के बिग्रेड कमांडर एमएस ढिल्लों भी मौजूद रहे। इस साल हेमकुंड साहिब के कपाट 25 मई को खोले गए थे और आज 10 अक्टूबर को बंद हुए। इस तरह हेमकुंड साहिब की यात्रा इस साल 139 दिन चली। हेमकुंड साहिब में गुरुवार तक 2 लाख 74 हजार 441 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। 2024 में कुल दर्शनार्थियों की संख्या 1 लाख 83 हजार 722 थी। इस साल रिकॉर्ड बढ़ोतरी के पीछे बेहतर प्रबंधन और यात्रा मार्ग की सुरक्षा प्रमुख कारण मानी जा रही है। इसके साथ ही लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट भी दोपहर 12:31 पर बंद कर दिए गए। वहीं पिछले दिनों हुई बर्फबारी से पूरा क्षेत्र बर्फ से ढका हुआ है।

पश्चिम बंगाल में 'कोल्डरिफ' कफ सिरप की बिक्री पर रोक, मप्र में बच्चों की मौत के बाद उठाया कदम

कोलकाता, एजेंसी। मध्य प्रदेश में कथित रूप से 'कोल्डरिफ' कफ सिरप के सेवन से कई बच्चों की मौत के बाद पश्चिम बंगाल में इसकी बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। बंगाल केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन (बीसीडीए) ने राज्य के सभी खुदरा और थोक दवा विक्रेताओं को इस कफ सिरप की खरीद-बिक्री बंद करने का निर्देश जारी किया। बीसीडीए के सचिव पृथ्वी बसु ने शुक्रवार को बताया कि मध्य प्रदेश में हुई घटना से जुड़ा बैच पश्चिम बंगाल में नहीं आया है, लेकिन एहतियात के तौर पर सभी दवा विक्रेताओं को इसके स्टॉक और बिक्री पर रोक लगाने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में दवा विक्रेताओं के साथ 11 अक्टूबर को बैठक बुलाई गई है ताकि इस पर और सख्त दिशा-निर्देश दिए जा सकें।यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब देशभर में बिना पर्ची के मिलने वाले कफ सिरप की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। 'कोल्डरिफ' सिरप का निर्माण तमिलनाडु स्थित एक दवा कंपनी द्वारा किया जाता है, जिसके निर्माता को बच्चों की मौत के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना से पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में दहशत फैल गई थी।

मप्र में कफ सीरप से बच्चों की मौत की संख्या 23 तक पहुंची, गिरफ्तार फार्मा कंपनी मालिक को चेन्नई से छिंदवाड़ा लेकर पहुंची एसआईटी

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ कफ सिरप के कारण किडनी संक्रमण से अब तक 23 बच्चों की मौत हो चुकी है। इस मामले में 'कोल्ड्रिफ' कफ सीरप बनाने वाली तमिलनाडु की कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल के संचालक (मालिक) जी. रंगनाथन को मप्र की विशेष जांच टीम (एसआईटी) चेन्नई से ट्रांजिट रिमांड पर छिंदवाड़ा लेकर आई है। शुक्रवार को उसे यहां परासिया के कोर्ट में पेश करने की तैयारी है। स्थानीय पुलिस कोर्ट परिसर के आसपास व्यवस्थाएं जुटाई जा रही हैं। दरअसल, मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सेवन से बीते एक माह से लगातार बच्चों की मौत हो रही है।

रिपोर्टों के अनुसार, इस सिरप में प्रोपाइलीन ग्लाइकॉल, ग्लिसरीन और सोर्बिटोल जैसे रासायनिक तत्व पाए गए हैं। पश्चिम बंगाल राज्य औषध नियंत्रण प्राधिकरण ने निर्देश जारी किया है कि इन रासायनिक तत्वों की आपूर्ति केवल प्रमाणित विक्रेताओं से ही की जाए और इन्हें मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में जांचा जाए।

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग वाली याचिकाओं पर जवाब देने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकारक को चार हफ्ते का समय दिया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश सरकार मामले में बात कर रहे हैं।

कुछ लोग झूठी बातें फैला रहे हैं और जम्मू-कश्मीर की भयावह तस्वीर पेश कर रहे हैं। मेहता ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में कई बातें हैं जिन पर विचार करने की जरूरत है।

इससे पहले 14 अगस्त को हुई सुनवाई में कोर्ट ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से आठ हफ्तों के अंदर लिखित जवाब मांगा था।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा था कि जम्मू-कश्मीर की जमीनी हकीकत और पहलगाम जैसी आतंकी घटनाओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

दरअसल, 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाने के बाद केंद्र सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश बनाया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में केंद्र के फैसले को चुनौती दी गई। दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य से आर्टिकल 370 हटाने और विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करने को सही माना था।

तब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर का राज्य दर्जा बहाल करेगी। सरकार चुनावों के बाद राज्य का दर्जा बहाल करने के वादे पर काम कर रही है।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा केस की सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से 4 हफ्ते में जवाब मांगा, 6 साल पहले धारा-370 हटाई गई थी

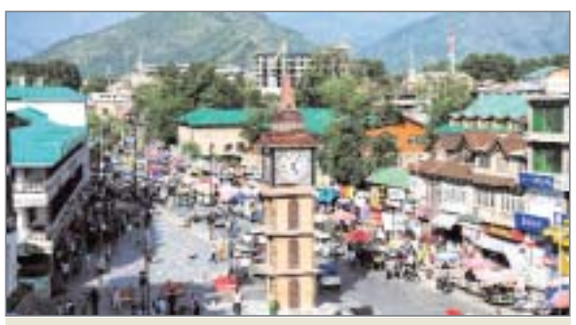

कोर्ट ने कहा- जमीनी हकीकत को देखा जाएगा

पिछली सुनवाई में CJI ने कहा था कि कोर्ट सरकार के जवाब के बिना आगे नहीं बढ़ेगी। फैसला लेते समय सुरक्षा हालात और जमीनी स्थिति भी देखी जाएगी, सिर्फ संविधान की बहस पर फैसला नहीं होगा। कोर्ट ने सरकार को 8 हफ्तों में जवाब देने का समय दिया है। सीनियर एडवोकेट शंकर नारायणन ने कहा कि 11 दिसंबर 2023 के फैसले में कोर्ट ने निर्देश दिया था कि जम्मू-कश्मीर में सितंबर 2024 तक चुनाव कराए जाएं और फिर राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। लेकिन 21 महीने बीतने के बाद भी कोई प्रगति नहीं हुई है।

याचिकाकर्ता बोले- राज्य में हालात सामान्य

ये याचिकाएं प्रोफेसर जहूर अहमद भट और सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता खुर्शीद अहमद मलिक ने दायर की थीं। उन्होंने दलील दी कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव शांतिपूर्वक हो गए हैं। इससे स्पष्ट है कि राज्य की सुरक्षा व लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं सुचारू रूप से चल रही हैं। लेकिन राज्य का दर्जा वापस न मिलने से वहां निर्वाचित सरकार का महत्व कम रहा है और यह संघीय ढांचे के तानाबाना को भी कमजोर कर रहा है।

अयोध्या में धमाके से मकान ढहा, 5 की मौत

- मरने वालों में पिता, उसके 3 बच्चे; बॉडी के चीथड़े उड़े; 4 दिन में दूसरी बार ब्लास्ट

अयोध्या,एजेंसी। अयोध्या में राम मंदिर से करीब 25 किमी दूर पूरा कलंदर थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम धमाके के बाद एक मकान पूरी तरह ढह गया। धमाके की गूंज एक किमी दूर तक सुनाई दी। मलबा 200 मीटर दूर तक बिखर गया। मकान के मलबे में दबकर पिता, दो बेटे, एक बेटी और साली की मौत हो गई। पिता के चीथड़े उड़ गए थे। वहीं, पत्नी लापता है।

घटना की जानकारी मिलते ही अधिकारी और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास के घरों को खाली कराया और लोगों से घटनास्थल से दूर रहने की अपील की है।

लेह में हिंसा के 16 दिन बाद भी हालात खराब

- टूरिस्ट नहीं आ रहे, फिर भी दावा- सब नॉर्मल; आधी रात से इंटरनेट बहाल

गुवाहाटी, एजेंसी। साल के करीब 7-8 महीने पर्यटकों से भरा रहने वाला लेह का मुख्य बाजार सूना पड़ा है। होटल खाली हैं। 5 से 10 हजार वाले रूम 500 से 1 हजार रुपए के मामूली किराए में भी नहीं भर रहे। टैक्सी स्टैंड पर गाड़ियां खाली खड़ी हैं। जितने टूरिस्ट अभी यहां हैं, उससे 10 गुना ज्यादा सुरक्षाकर्मी पहरा दे रहे हैं। इंटरनेट बंद है। हमने ऐसी जिंदगी पहले कभी नहीं जी। हिंसा ने हमारे सीजन की खुशियां छीन लीं। और उप राज्यपाल दावा कर रहे हैं कि लेह में सब नॉर्मल है। जो हालात हैं, उसे हमारे लिए नॉर्मल नहीं कह सकते।

यह बात जब रिगजिन वाग्मो लेचिक बोल रही थीं, तब उनकी आंखों में आंसू थे। लेचिक ऑल लद्दाख होटल एंड गेस्ट हाउस एसोसिएशन लेह की अध्यक्ष भी हैं। लेचिक ने बताया कि पहलगाम की घटना ने 50% टूरिस्ट को नुकसान पहुंचाया था, लेह की हिंसा में यह बढ़कर 80% हो गया है। 2000 गेस्टहाउस, होटल्स खाली पड़े हैं। लद्दाख की कुल जीडीपी में पर्यटन का हिस्सा 50% है। अक्टूबर में हम अगले मार्च-अप्रैल की बुकिंग शुरू कर देते थे, लेकिन इस बार एक भी प्री-बुकिंग नहीं है।अगले कुछ दिन में बर्फीली ठंड शुरू होते ही यहां सबकुछ बंद हो जाएगा। हम आज नहीं कमाएंगे तो अगले छह महीने गुजारा कैसे करेंगे

लद्दाख की राजधानी लेह में स्थानीय लोगों के विरोध के बाद इंटरनेट सेवा गुरुवार रात बहाल कर दी गई।

16 दिन बंद रहा इंटरनेट

24 सितंबर से पूरे लेह में यही हाल है। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के अनशन के बीच हुई हिंसा ने लेह की शांति छीन ली। लेह अपेक्स बॉडी के सह-अध्यक्ष शेरिंग दोरजे ने बताया कि शासन किस बात को नॉर्मल कह रहा है, ये समझ से परे है। पांच लोग आज भी एक साथ कहीं खड़े नहीं हो सकते, क्योंकि धारा 163 लगी है।

2% से लेकर 5% और सार्वजनिक वाईफाई नेटवर्क तक सब बंद रहे। हिंसा के आरोप में 39 लोग अभी भी पुलिस हिरासत में हैं। स्कूल खुल रहे हैं, लेकिन कक्षाओं में बच्चे नहीं पहुंच रहे। वांगचुक के लिए पूरा लेह खड़ा है, लेकिन मौसम और कमाई की मजबूरी के चलते लोगों को बाजार खोलना पड़ रहा है। लेह टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष थिंलेस नामग्याल ने बताया कि 24 सितंबर से अब तक एक भी बुकिंग नहीं मिली।

अठावले की मांग- सीजेआई गवई पर जूता फेंकने के आरोपी पर एससी-एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई हो

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने चीफ जस्टिस बीआर गवई के ऊपर जूता फेंकने की घटना पर नाराजगी प्रकट की है। अठावले ने इस मामले में आरोपी 71 वर्षीय वकील राकेश किशोर के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) कानून के तहत मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

घटना इसलिए हुई क्योंकि उच्च जाति के कुछ लोग: सीजेआई बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाले 71 वर्षीय वकील राकेश किशोर ने सोमवार (6 अक्तूबर) को इस निंदनीय कृत्य को अंजाम दिया था। राकेश के खिलाफ कर्नाटक में जीरो एफआईआर दर्ज कराई गई है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (SCBA) ने उनका पंजीकरण रद्द कर दिया है। इस घटना के पीछे मानसिकता को लेकर केंद्रीय मंत्री अठावले ने कहा, यह घटना इसलिए हुई क्योंकि उच्च जाति के कुछ लोग इस बात को स्वीकार नहीं कर पा रहे थे कि दलित समुदाय से आने वाले गवई इतने ऊंचे पद पर पहुंच गए हैं।

जस्टिस गवई योग्यता के आधार पर CJI बने, कुछ लोगों को नागवार गुजर रही यह बात : पणजी में बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री अठावले ने कहा, घटना निंदनीय है। देश के मुख्य न्यायाधीश पर इस तरह का हमला पहली बार हुआ है। जस्टिस भूषण गवई दलित समुदाय से आते हैं और उन्होंने अपनी योग्यता के आधार पर यह पद हासिल किया है।

देश की सबसे अमीर महिला बनीं सावित्री जिंदल,फोर्ब्स इंडिया की सूची जारी, अंबानी-अडाणी के बाद तीसरा नंबर

6 महीने में 4.1 बिलियन डॉलर बढ़ी संपत्ति

हिसार, एजेंसी। फोर्ब्स इंडिया की रिच लिस्ट 2025 में हरियाणा की हिसार की विधायक और ओपी जिंदल समूह की प्रमुख सावित्री जिंदल भारत की सबसे अमीर महिला बन गई हैं। 39.6 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति के साथ, उन्होंने मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी के बाद भारत के सबसे धनी लोगों में तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। गुरुवार (9 अक्टूबर) को ही यह लिस्ट जारी हुई है। अब दुनिया के सबसे अमीर लोगों में सावित्री जिंदल का 48वां स्थान है। इससे पहले अप्रैल में फोर्ब्स बिलियनेयर (मानक के अनुसार जिसकी कुल संपत्ति कम से कम 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर यानि 8,300 करोड़ रुपए या उससे अधिक हो) लिस्ट 2025 की सूची जारी हुई थी। उस समय सावित्री जिंदल की कुल संपत्ति 35.5 बिलियन डॉलर थी। यानि 6 महीने में सावित्री जिंदल की संपत्ति 4.1 बिलियन डॉलर बढ़ गई है, जबकि भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की नेटवर्थ 9% गिरकर 1 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 88 लाख करोड़ रुपए रह गई। पिछले साल उनकी नेटवर्थ 1.1 ट्रिलियन डॉलर यानी, करीब 97 लाख करोड़ रुपए थी। ऐसे में जिंदल समूह लगातार आगे बढ़ रहा है। सावित्री जिंदल हिसार विधानसभा सीट से जीतकर विधायक बनी हैं। उनके बेटे उद्योगपति नवीन जिंदल कुरुक्षेत्र से भाजपा के सांसद हैं।

सावित्री जिंदल के 4 बेटों में बंटा है व्यवसाय: जिंदल समूह की अध्यक्ष का साम्राज्य इस्पात, बिजली, सीमेंट और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में फैला हुआ है। कंपनी की स्थापना उनके दिवंगत पति ओम प्रकाश जिंदल ने की थी, जिनकी 2005 में एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। उनकी मृत्यु के बाद, व्यवसाय उनके चार बेटों में बंट गया। उनके बेटे सज्जन जिंदल मुंबई स्थित जेएसडब्ल्यू स्टील, जेएसडब्ल्यू सीमेंट और जेएसडब्ल्यू पेंट्स का नेतृत्व करते हैं। उन्होंने 2023 में जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर को सार्वजनिक किया। 2024 में, उन्होंने चीन की एसएआईसी मोटर की सहायक कंपनी एमजी मोटर इंडिया में 35 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करके इलेक्ट्रिक वाहनों में विस्तार किया। नवीन जिंदल, जिंदल दिल्ली में स्टील एंड पावर का प्रबंधन करते हैं।

स्मॉग का नया वार, फेफड़े नहीं. जोड़ों पर कर रहा हमला अर्थराइटिस के मामले अधिक गंभीर

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर की हवा अब केवल सांसों के लिए ही खतरनाक नहीं, बल्कि जोड़ों और हड्डियों को भी गहराई से प्रभावित करने लगी है। जहरीली हवा में घुला पीएम 2.5 प्रदूषक धीरे-धीरे रूमेटॉइड अर्थराइटिस जैसी गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारक बनता जा रहा है। इंडियन रूमेटोलॉजी एसोसिएशन (आईआरए) के 40वें वार्षिक सम्मेलन इराकोन 2025 के पहले दिन बृहस्पतिवार को द्वारका स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में विशेषज्ञों ने इसका खुलासा किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की बिगड़ती वायु गुणवत्ता का रूमेटिक बीमारियों, विशेष रूप से रूमेटॉइड अर्थराइटिस के बढ़ते मामलों से सीधा संबंध है। यह सम्मेलन 9 से 12 अक्तूबर तक चलेगा। इसमें देशभर से रूमेटोलॉजिस्ट, स्वास्थ्य विशेषज्ञ और शोधकर्ता शामिल हो रहे हैं। विशेषज्ञों ने चिंता जताई कि वायु प्रदूषण अब न केवल श्वसन और हृदय संबंधी रोगों की वजह बन रहा है, बल्कि यह प्रतिरक्षा प्रणाली को भी प्रभावित कर जोड़ों की बीमारियों को जन्म दे रहा है। यह चेतावनी सिर्फ मेडिकल समुदाय के लिए नहीं, बल्कि हर वर्ग के लोगों के लिए भी एक संदेश है कि हवा में छुपा जहर अब शरीर की हर हरकत को तकलीफदेह बना रहा है। विशेषज्ञों ने बताया कि रूमेटॉइड अर्थराइटिस एक क्रोनिक ऑटोइम्यून बीमारी है, जिसमें प्रतिरक्षा प्रणाली जोड़ों पर हमला करती है, जिससे दर्द, सूजन और दिव्यांगता होती है। इस दौरान एम्स की रूमेटोलॉजी प्रमुख डॉ. उमा कुमार ने चेतावनी दी कि प्रदूषित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में रूमेटॉइड आर्थराइटिस के मामले बढ़ रहे हैं, खासकर उनमें जिनका कोई आनुवंशिक इतिहास नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदूषक सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव को बढ़ाते हैं, जिससे प्रतिरक्षा प्रणाली अतिसक्रिय हो जाती है।

अर्थराइटिस के मामले हो रहे अधिक गंभीर : डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के प्रोफेसर डॉ. पुलिन गुप्ता ने बताया कि प्रदूषित क्षेत्रों में रूमेटॉइड अर्थराइटिस के मामले न केवल बढ़ रहे हैं, बल्कि अधिक गंभीर भी हो रहे हैं। वहीं, एक निजी अस्पताल के रूमेटोलॉजिस्ट डॉ. बिमलेश धर पांडेय ने बताया कि पीएम 2.5, नाइट्रोजन ऑक्साइड और ओजोन जैसे प्रदूषक रूमेटॉइड अर्थराइटिस के जोखिम को बढ़ाते हैं और लक्षणों को गंभीर करते हैं। उन्होंने यूरोपियन मेडिकल जर्नल 2025 के एक अध्ययन का हवाला देते हुए प्रदूषण और ऑटोइम्यून बीमारियों के बीच संबंध की पुष्टि की है।

रूमेटॉइड अर्थराइटिस के मामले बढ़ना खतरे की घंटी : सर गंगाराम अस्पताल के डॉ. नीरज जैन ने कहा कि बिना पारिवारिक इतिहास वाले युवाओं में रूमेटॉइड अर्थराइटिस के मामले बढ़ना खतरे की घंटी है। डॉ. रोहिणी हांडा ने चेतावनी दी कि यदि प्रदूषण पर नियंत्रण नहीं हुआ तो यह एक सामाजिक संकट बन जाएगा, जिससे स्वास्थ्य और उत्पादकता पर भारी बोझ पड़ेगा।

मोरी गेट में डीटीसी की इलेक्ट्रिक बस में लगी भीषण आग, धू-धू कर जली

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एक बार फिर बस में आग लगने की घटना सामने आई है। मोरी गेट के पास आज शुक्रवार को डीटीसी की इलेक्ट्रिक बस में अचानक से आग लग गई। आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी गई। दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। आग को बुझाने का प्रयास किया जा रहा है।

ड्यूटी पर पहुंचे और अचानक जमीन पर गिरे, दिल्ली पुलिस के एएसआई को कोर्ट में हार्ट अटैक; कैमरे में कैद आखिरी पल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट परिसर में ड्यूटी पर तैनात 50 वर्षीय एएसआई राजेश कुमार अचानक लड़खड़ाकर जमीन पर गिर पड़े।सहकर्मियों ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया। लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।एएसआई को जब हार्ट अटैक आया तो उस वक्त का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हो रहा है। फुटेज की शुरुआत में वे सामान्य दिखते हुए साथी से हाथ मिलाते हैं। फिर एस्केलेटर की ओर जाते समय अचानक बेलेंस बिगड़ते ही गिरते नजर आते हैं। घटना से पुलिस विभाग में शोक की लहर है।

कोल्ड्रिफ पर विवाद, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री का निर्देश; डॉक्टर कफ सिरप न लिखे और मेडिकल स्टोर पर न बेचें

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ पंकज कुमार सिंह ने लोकनायक अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने इमरजेंसी आईसीयू और वार्ड का निरीक्षण किया। अस्पताल में सभी 80 वेंटिलेटर के फंक्शनल होने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के पास हर स्थिति से निपटने के लिए 222 वेंटिलेटर उपलब्ध है। पिछली सरकार ने पीएम केयर फंड के तहत मिले वेंटिलेटर का इस्तेमाल नहीं किया। जनवरी महीने तक दिल्ली सरकार के सभी अस्पताल में एमआरआई मशीन सुनिश्चित की जाएगी। लोकनायक अस्पताल में भी अतिरिक्त एमआरआई और सीटी स्कैन मशीन जनवरी तक उपलब्ध होगी। मंत्री ने कफ सिरप मामले पर कहा कि संबंधित कंपनी का कफ सिरप डॉक्टरों को न लिखने का परामर्श जारी कर दिया है साथ ही मेडिकल स्टोर को भी दवा की ब्रिकी न करने के निर्देश दिए है।

कारोबारी का 18.25 लाख रुपये लेकर फरार कर्मचारी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी जिले के मोती नगर इलाके में कारोबारी का एक भरोसेमंद कर्मचारी 18.25 लाख लेकर फरार हो गया जिसे मोती नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर उससे 17.65 लाख रुपये बरामद कर लिए। पुलिस के मुताबिक, अजय सतीजा ने शिकायत की थी कि संदीप कुमार सिंह (38) करीब 15 साल से मोतीनगर स्थित राम रोड इंडस्ट्रियल एरिया के उनके ऑफिस 'केमिकल सेंटर' में काम कर रहा था। उसे नकदी जमा कराने की जिम्मेदारी दी गई थी। 03 अक्टूबर को अजय सतीजा ने संदीप को 18,25,500 रुपये अपने भाई के अशोक विहार स्थित घर पहुंचाने को दिए थे लेकिन वह न तो वहां पहुंचा और न ही लौटकर आया। बाद में उसका मोबाइल भी स्विच ऑफ मिला।आरोपी भी इंदिरा जेजे कैंप सेक्टर-तीन रोहिणी में रहता है। उस पर पहले से छह आपराधिक मामले दर्ज हैं।

थाना मोती नगर में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। टीम ने आरोपित की तलाश में फिरोजाबाद (उप्र) और हर्ष विहार (दिल्ली) में दबिश दी। इस दौरान सूचना मिली कि संदीप हर्ष विहार स्थित गगन सिनेमा के पास है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि उसने अपने घर में रकम छिपा रखी है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर 17,65,500 नकद बरामद किए। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

कोटला मुबारकपुर हत्या की गुत्थी सुलझी किसी अन्य युवक के साथ देखकर प्रेमी ने ही ली थी युवती की जान, गिरफ्तार

दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रेमी के साथ फोटो देखकर एक बदमाश ने अपनी प्रेमिका की चाकू से वार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने पुलिस से बचने के लिए मौके पर लूटपाट का सीन बना दिया। आरोपी ने कमरे का सामान फैलाने के अलावा अपनी गर्लफ्रेंड का मोबाइल फोन भी ले लिया। आरोपी हरियाणा के हिसार में जाकर छुप गया। पुलिस ने कोटला मुबारकपुर में साक्षी गुरंग (25) की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गांव धाना खुर्द, हांसी, हिसार, हरियाणा निवासी हिमांशु के रूप में हुई है। आरोपी ने खुलासा किया कि वह कुछ माह पूर्व साक्षी से जोधपुर, राजस्थान में मिला था। यहां दोनों के बीच संबंध भी बने। उसके बाद हिमांशु कई बार युवती से मिलने के लिए दिल्ली आने लगा। कई बार दोनों के बीच झगड़ा भी हुआ। उसके बाद हिमांशु उस पर नजर रखता रहा।

वारदात को अंजाम देने से पहले आरोपी तीन दिन तक साक्षी के साथ उसके कमरे पर रहा। इसी बीच उसने पीड़िता के मोबाइल में पूर्व प्रेमी के साथ फोटो देख लिए। इसी से नाराज होकर उसने पीड़िता की गर्दन और चेहरे पर धारदार हथियार से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि सात अक्तूबर की शाम को कोटला मुबारकपुर थाना पुलिस को सी-290, प्रताप गली, नानक चंद बस्ती स्थित एक मकान की सीढ़ियों पर खून के धब्बे देखे जाने के संबंध में कॉल मिली। पुलिस टीम ने वहां देखा कि सीढ़ियों व पहली मंजिल के दरवाजे के पास खून के निशान थे। दरवाजे पर बाहर से ताला लगा था। दरवाजा तोड़ा गया तो अंदर सारा सामान फैला हुआ था। अंदर साक्षी का खून से लथपथ शव पड़ा था। उसके चेहरे और गर्दन पर चोट के निशान थे। हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई। टीम को घटना स्थल से बीयर की बोतलें, खून से सने कपड़े और चाकू का हैंडल समेत अन्य सबूत मिले। सीसीटीवी की जांच करते हुए टीम बाहरी दिल्ली से होते हुए हरियाणा के हांसी तक पहुंच गई। बाद में आरोपी को उसके गांव से दबोच लिया गया। आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार कर ली। उसने बताया कि वह साक्षी के साथ किसी और युवक को देखकर गुस्से में था। वारदात के समय उसका साक्षी से झगड़ा हुआ। इस दौरान गुस्से में उसने धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी।

हरियाणा के गैंगस्टरों से काफी प्रभावित है आरोपी: पुलिस को पता चला कि हिमांशु 10वीं कक्षा में फेल होने के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। उस पर 14 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह हरियाणा के कई बड़े गैंगस्टरों से प्रभावित था। पढ़ाई छोड़ने के बाद वह धीरे-धीरे आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो गया और घरों में चोरी और सेंधमारी जैसे छोटे-मोटे अपराध करने लगा।

महिला मित्र से लूट के विरोध पर दिल्ली में युवक की गला रेतकर हत्या, 5000 रुपये के लिए मारा चाकू

दिल्ली, एजेंसी। सीमापुरी स्थित दिलशाद गार्डन में बुधवार शाम चार लड़कों ने महिला मित्र से लूटपाट करने का विरोध करने पर एक युवक का गला रेत दिया। हमलावरों ने युवक के पेट और सीने में चाकू से वार किए। पीड़ित वीरेश राठौर (24) को उसके दोस्तों ने जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया जहां देर रात उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने युवती भावना (33) के बयान पर पहले हत्या के प्रयास और लूटपाट का मामला दर्ज किया था, बाद में इसे हत्या में दर्ज कर लिया। पुलिस को दिए बयान में भावना ने पुलिस को बताया कि चारों आरोपियों ने उससे मोबाइल, बैग और 10 हजार रुपये कैश लूट लिया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान की। पुलिस ने हत्या के मामले में दो नाबालिग समेत चार लड़कों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सुभाष (20) और विशाल (20) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटा गया बैग बरामद कर लिया है। मोबाइल व कैश बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि वीरेश राठौर के पिता दिलशाद गार्डन में एक डीडीए पार्क में सुरक्षा गार्ड की नौकरी करते हैं। वीरेश और उसकी दोस्त भावना दोनों ही साहिबाबाद में सीसीटीवी का काम करते थे। वीरेश की मां मुन्नी देवी ने बताया कि बुधवार को वीरेश काम पर जाने की बात कहकर निकला था। उसके बाद रात करीब साढ़े आठ बजे पुलिस अधिकारियों ने कॉल कर उनको सूचना दी कि वीरेश को किसी ने चाकू मार दिए हैं। पांच हजार रुपये नहीं लौटाने पर युवक पर चाकू से हमला, गंभीर

रोहिणी साउथ इलाके में उधार लिए पांच हजार रुपये वापस नहीं करने पर एक बदमाश ने युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने आरोपी ऋतिक उर्फ सावन को गिरफ्तार कर हत्या के प्रयास में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि 5 अक्तूबर को रोहिणी साउथ थाना पुलिस को आंबेडकर अस्पताल से एक युवक को चाकू लगने के बाद भर्ती कराने की सूचना मिली। घायल युवक की पहचान इंदिरा जेजे कैंप सेक्टर-तीन रोहिणी निवासी रवि (22) के रूप में हुई। उसके गले और आसपास चाकू के गंभीर घाव थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे आरोपी की पहचान के लिए स्थानीय मुखबिरों को सक्रिय किया। इसके बाद आरोपी की पहचान रोहिणी साउथ थाने के घोषित बदमाश ऋतिक के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी को इलाके से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि रवि ने उससे पांच हजार रुपये लिए थे जिसे वह वापस नहीं कर रहा था। सबक सिखाने के लिए उसने रवि पर चाकू से हमला कर दिया।

पाकिस्तानी सेना ने ओरकजई हमले में शामिल 30 आतंकी मारे

रावलपिंडी, एजेंसी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में कहा कि सात अक्टूबर को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के ओरकजई जिले में हुए हमले से जुड़े 30 आतंकवादियों को मार गिराया गया। इस हमले में दो अधिकारियों सहित 11 सैन्यकर्मी मारे गए थे। मीडिया शाखा ने कहा कि सुरक्षा बल इस जघन्य घटना में शामिल आतंकवादियों की तलाश में चप्पा-चप्पा छान रहे हैं।इस आतंकी हमले के बाद सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर ओरकजई जिले के जमाल माया क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया है। इस दौरान भीषण गोलीबारी में 30 आतंकवादी मारे गए।

आईएसपीआर ने कहा कि ओरकजई हमले में लेफ्टिनेंट कर्नल जुनैद तारिक और मेजर तैय्यब राहत समेत 11 सैन्यकर्मी शहीद हो गए थे।गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने इस सफलता के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की। नकवी ने कहा, आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को नाकाम करने में शहीद सुरक्षा बलों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

नेपाल की प्रधानमंत्री ने जेन जी की भावनाओं के पूरे सम्मान का दिया भरोसा

काठमांडू, (हि.स.)। प्रधानमंत्री (पीएम) सुशीला कार्की ने जेन जी विद्रोह के एक महीना पूरा होने पर वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा है कि जेन जी की भावनाओं का पूरा सम्मान किया जाएगा। यह वीडियो संदेश बीती देर रात जारी किया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली और गृहमंत्री रमेश लेखक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे युवाओं की गिरफ्तारी के बाद सरकार की आलोचना के बीच प्रधानमंत्री कार्की ने देश के जेन जी समूह को यह आश्वासन दिया है।उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार जेन जी की भावनाओं का सम्मान करती है और उनकी मांग को पूरा करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार जेन जी विद्रोह के दौरान मारे गए युवाओं को न्याय दिलाने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी।

प्रधानमंत्री कार्की ने अपने संबोधन में स्वीकार किया है कि पिछली सरकारें जेन जी की आवाज़ और चिंताओं पर ध्यान देने में विफल रही हैं। कार्की ने कहा है कि यह सरकार जेन जी की मांगों को

विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर रही है।

प्रधानमंत्री कार्की ने नेपाल के युवाओं द्वारा मांगे गए परिवर्तनों के लिए अपनी सरकार की पूरी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने राष्ट्रीय एकता, संयम और रचनात्मक जुड़ाव की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्की ने कहा, ÷हम सभी को युवा पीढ़ी के नेतृत्व में क्रांति को स्वीकार करना चाहिए।÷ एक तरफ, हमारे युवा बहुत निराश हैं। दूसरी ओर, वे इस देश के प्रति प्यार रखते हैं। मैं उनकी भावनाओं का सम्मान करती हूं। पिछली सरकारें उनकी आवाज सुनने और उनकी मांगों को पूरा करने में विफल रहीं। इसके लिए हमें अपनी गलतियों और कमजोरियों को स्वीकार करना चाहिए।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि सरकार नेपाल के भविष्य को आकार देने में जेन-जी की सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक नया तंत्र स्थापित करेगी। हम नए नेपाल के निर्माण में जेन-जी को शामिल करने के लिए एक नई संरचना स्थापित कर रहे हैं, कार्की ने कहा।

इस अवसर पर, प्रधानमंत्री कार्की ने सभी से संयम बरतने और हिंसा के चक्र को तोड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा अब हमें इस दुखद अध्याय को बेहतर कल की नींव में बदलने के लिए आपसी सद्भावना और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता है।

बलोचिस्तान में सात अक्टूबर को बलघाटर हमले में पाकिस्तानी सेना के 14 जवान मारे गए-बीएलएफ के विस्तृत बयान में दावा

क्वेटा (बलूचिस्तान), एजेंसी। बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने सात अक्टूबर को बलघाटर में पाकिस्तानी सेना के शिविर पर हमले पर विस्तृत बयान जारी किया है। बीएलएफ प्रवक्ता मेजर घोरम बलोच ने कहा कि लड़ाकों ने बलघाटर में पाकिस्तानी सेना की चौकी पर कब्जा कर लिया। 14 सैन्यकर्मियों को मार डाला और चार को घायल कर दिया। उनके हथियार और अन्य सैन्य उपकरण छीन लिए। आजादी के इस आंदोलन में उसकी कुर्बान यूनिट के प्रमुख अब्दुल्ला दियार उर्फ सोगहत की जान चली गई।

द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की रिपोर्ट के अनुसार, बीएलएफ प्रवक्ता मेजर घोरम बलोच ने विस्तृत बयान नौ अगस्त को जारी किया। प्रवक्ता ने बताया कि सात अक्टूबर को शाम 5:00 बजे फ्रंट ने बलघाटर क्षेत्र में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे पर कब्जे वाली पाकिस्तानी सेना की एक चौकी पर हमला किया।

भारी हथियारों से किया गया एक बड़ा हमला तीन घंटे से ज्यादा समय तक जारी रहा। लड़ाकों ने चौकी पर सफलतापूर्वक कब्जा कर लिया और हथियार व अन्य सैन्य उपकरण अपने कब्जे में ले लिए। इस संगठित हमले में पाकिस्तान सेना के 14 सैनिक मारे गए और चार गंभीर रूप से घायल हो गए।

उन्होंने बताया कि चौकी पर कब्जे के बाद सेना के त्वरित प्रतिक्रिया बल के चार वाहनों को पंजगुर से हमला स्थल पर बलों की मदद के लिए भेजा गया।

लड़ाकों ने त्वरित प्रतिक्रिया बल पर घात लगाकर हमला कर दिया और सभी को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया।

लड़ाकों ने दो क्राडकॉप्टर और एक ड्रोन कैमरा भी मार गिराया गया। प्रवक्ता ने कहा कि बलोचिस्तान में बलात कब्जा करने वाली पाकिस्तान की सेना मनोवैज्ञानिक रूप से इतनी पराजित हो चुकी है कि वह अपने मृत सैनिकों को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि फ्रंट इस हमले की जिम्मेदारी को स्वीकार करता है।

वयोश्री एवं एडिप योजना के अंतर्गत एलिम्को द्वारा सहायक उपकरण चिह्नांकन शिविरों का सफल समापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचित सोमवंशी के निर्देशन एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत सीधी सभागार में शुक्रवार को वयोश्री योजना एवं एडिप योजना अंतर्गत एलिम्को जबलपुर द्वारा आयोजित सहायक उपकरण चिह्नांकन शिविरों की श्रृंखला का अंतिम शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि धर्मेंद्र सिंह, अध्यक्ष जनपद पंचायत सीधी रहे। उन्होंने कहा कि शासन की यह योजनाएँ वास्तव में उन लोगों के जीवन में नई रोशनी ला रही हैं जिन्हें सहायता की सबसे अधिक आवश्यकता है।

शिविर का संचालन सीईओ जनपद पंचायत सीधी सी. एल. पनिका और सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सूरज सिंह के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। शिविर में कुल 116 लाभार्थियों का चिह्नांकन किया गया, जिनमें वयोश्री योजना अंतर्गत 63 वरिष्ठ नागरिक और एडिप योजना अंतर्गत 53 दिव्यांगजन शामिल रहे। कार्यक्रम में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र सीधी से डॉ. दीपक त्रिपाठी, ट्रांसडिसिप्लिनरी विशेष शिक्षक शिवांशु शुक्ला, सहायक ग्रेड-3 प्रभात शुक्ला, नम्रता मिश्रा, चंद्रप्रताप तिवारी तथा सामाजिक न्याय विभाग के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शिविरों की इस श्रृंखला के सफल समापन के साथ ही जिलेभर में कुल 400 से अधिक पात्र लाभार्थियों का चिह्नांकन किया जा चुका है। इन शिविरों ने न केवल जरूरतमंदों को सहायता उपकरण प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त किया है, बल्कि समाज में समावेश और संवेदनशीलता की प्रेरणादायक मिसाल भी प्रस्तुत की है। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना आत्मनिर्भरता और गरिमा से जीवन जीने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

चलते ट्रेलर के इंजन में लगी आग, फायर बिग्रेड ने आधे घंटे में आग पर पाया काबू; चालक सुरक्षित

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के नौगढ़ इलाके में गुरुवार रात करीब 11 बजे एक चलते हुए ट्रेलर के इंजन में अचानक आग लग गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत वाहन रोका और अपनी जान बचाई। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि ट्रेलर का एक बड़ा हिस्सा जल गया। आग लगने के बाद इंजन से धुआं निकलते देख चालक सुरेश कुमार ने तुरंत ट्रेलर को सड़क किनारे रोका और सुरक्षित बाहर निकल आया। इस घटना का वीडियो किसी राहगीर ने बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर सामने आया है।

प्रत्यक्षदर्शी अनिल प्रताप ने बताया कि वह बरगवां की तरफ जा रहे थे और उनकी गाड़ी ट्रेलर के ठीक पीछे थी। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें समझ नहीं आया, लेकिन बाद में एहसास हुआ कि सामने चल रहे ट्रेलर में आग लगी है। उन्होंने तुरंत ट्रेलर को ओवरटेक कर चालक को इशारा किया, जिसके बाद चालक को आग लगने का पता चला।

तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी गई। ट्रेलर में मौजूद फायर इक्विपमेंट से आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि इंजन का एक बड़ा हिस्सा जल गया। आधे घंटे बाद दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर पूरी तरह काबू पाया। इस दौरान लगभग एक घंटे तक सड़क पर जाम की स्थिति बनी रही।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह के कुशल निर्देशन में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के त्रैमासिक कैलेंडर के अंतर्गत संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. रवि शंकर पटेल मानसिक रोग विशेषज्ञ जिला चिकित्सालय सीधी उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न मानसिक रोगों के लक्षणों, कारणों और उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि नागरिक शासकीय योजनाओं का लाभ उठाकर नि:शुल्क परामर्श एवं उपचार प्राप्त कर सकते हैं। प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानसिक स्वास्थ्य आज के समाज की एक बड़ी चुनौती बन चुका है। इस तरह के आयोजनों के माध्यम से लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक सोच विकसित करने का प्रयास किया जाता है। विभागाध्यक्ष डॉ. के. एस. नेताम ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज की गंभीर समस्याओं पर विमर्श का अवसर प्रदान करते हैं।

दो झोलाछाप डॉक्टरों पर एफआईआर, मेडिकल स्टोर की आड़ में चल रही थी क्लिनिक; कई संचालक फरार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जहरीली सिरप से बच्चों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अवैध झोलाछाप डॉक्टरों और मेडिकल स्टोर संचालकों के खिलाफ सघन जांच अभियान शुरू किया है। इसी क्रम में सीधी जिले के सिहावल विकासखंड में स्वास्थ्य और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने शुक्रवार दोपहर कड़ीयार, सोनवर्षा, पहाड़ी और हटवा बरहा टोला क्षेत्रों में छापामार कार्रवाई की। इस कार्रवाई के दौरान कई मेडिकल संचालक और झोलाछाप डॉक्टर प्रशासनिक टीम की भनक लगते ही अपनी दुकानें बंद कर मौके से फरार हो गए। जिन दुकानों

को बंद पाया गया, उन पर अधिकारियों ने नोटिस चस्पा कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

इन पर एक्शन लिया: ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. रामभूषण पटेल ने बताया कि निरीक्षण में कई दुकानों में गंभीर अनियमितताएं मिलीं। कड़ीयार में झोलाछाप डॉक्टर अरविंद कुमार बिंद और सोनवर्षा में संचालित हिंद मेडिकल स्टोर के खिलाफ मरीजों का अवैध इलाज करने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इन पर मेडिकल स्टोर की आड़ में उपचार करने का आरोप है।

एक्सपायरी दवा भी मिली: हटवा बरहा टोला स्थित देवेंद्र-संजय मेडिकल स्टोर में भी बड़ी मात्रा में एक्सपायरी दवाइयां पाई गईं। डॉ. पटेल ने संचालक को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में ऐसी दवाएं मिलने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में नायब तहसीलदार दिनेश तिवारी, स्वास्थ्य विभाग की टीम और राजस्व अमले के अधिकारी शामिल थे।

प्रेमिका से मिलने पहुंचा नशा तस्कर जायसवाल गिरफ्तार, पुलिस ने एक पिस्टल; 11 कारतूस और नकदी किए बरामद

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल कोतवाली पुलिस ने अपनी प्रेमिका से मिलने आए विंध्य क्षेत्र के नशा तस्कर रमेश जायसवाल को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक पिस्टल, 11 जिंदा कारतूस, 65 हजार रुपए नकद और नशे से जुड़ी संदिग्ध सामग्री बरामद हुई है। यह गिरफ्तारी नशे के खिलाफ चल रही प्रदेशव्यापी मुहिम के तहत एक बड़ी सफलता मानी जा रही है।

जायसवाल पर 11 केस दर्ज: पुलिस को रमेश जायसवाल के अपनी प्रेमिका से मिलने शहडोल आने की सूचना मिली थी। यहां परिजनों से विवाद के बाद मामला थाने तक पहुंचा, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। तलाशी के दौरान ये आपत्तिजनक सामग्री मिली। पुलिस के अनुसार, रमेश जायसवाल पर एनडीपीएस एक्ट के तहत 11 से अधिक मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से नशे के कारोबार में सक्रिय था और सीधी जिले के खाड़ा गांव का निवासी है। रामपुर नैकिन, अमरपाटन और शहडोल सहित कई जिलों की पुलिस उसे तलाश रही थी।

तलाश में मिला सामान: तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से 7.65 एमएम की पिस्टल, 11 जिंदा कारतूस, पांच मोबाइल फोन और नशे की सामग्री जब्त की। इसके अतिरिक्त, नशे के व्यापार में इस्तेमाल की जा रही एक लग्जरी कार को भी जब्त किया गया है। पुलिस विभाग की कई टीमें उसे पकड़ने के लिए प्रयासरत थीं, और अंततः यह अभियान सफल रहा। यह गिरफ्तारी नशे के खिलाफ चल रही प्रदेशव्यापी मुहिम में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य समाज में नशीले पदार्थों के प्रसार को रोकना है।

एक्स गर्लफ्रेंड की ब्लैकमेलिंग से परेशान युवक ने दी जान, युवती के पिता-भाई 5 लाख मांग रहे थे; रेप केस करने की धमकी दी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। एक्स गर्लफ्रेंड और उसके पिता-भाई की ब्लैकमेलिंग से तंग आकर युवक ने सुसाइड कर लिया। उसने सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें लिखा - मेरे मरने का कारण मेरी एक्स गर्लफ्रेंड सीमा केवट और उसका बॉयफ्रेंड सुरेश केवट है। सीमा के पिता और भाई मुझे धमकाते हैं कि 5 लाख रुपए नहीं देगा तो बेटी से कहकर रेप केस में फंसा देंगे और जान से मार देंगे। सीमा रुपए लेकर सुरेश से शादी करना चाहती थी। घटना शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे कोतवाली थाना क्षेत्र के बलियारी इलाके की है। 20 वर्षीय प्रेम कुमार शाह ने फांसी लगा ली।

थाने के सामने शव रखकर प्रदर्शन: प्रेम के सुसाइड से आक्रोशित परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कोतवाली थाने के सामने शव रखकर हंगामा कर दिया। परिजन आरोपियों पर एफआईआर और गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। परिजन का कहना है कि जैसी कार्रवाई लड़कों के साथ की जाती है, वही लड़की के साथ भी होना चाहिए। पुलिस ने मामले की निष्पक्ष जांच और उचित कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया है, जिसके बाद परिजन माने और शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए।

सुसाइड नोट की जांच करवाएगी पुलिस: एसपी पीएस परस्ते ने कहा, आत्महत्या से पहले युवक ने सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें उसने लिखा है कि महिला मित्र और उसके परिजन लगातार उसे प्रताड़ित कर रहे थे। हमने पीड़ित परिवार को भरोसा दिया है कि मामले की निष्पक्ष जांच करेंगे। शव का अंतिम परीक्षण हो चुका है। सुसाइड नोट की राइटिंग एक्सपर्ट से जांच करवाएंगे।

युवक की पिटाई वीडियो सामने आया, मामला दो महीने पुराना; 3 लोगों ने लाठी-डंडों और जूतों से पीटा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शहर में एक युवक की पिटाई का वीडियो आज शुक्रवार को सामने आया है। बताया जा रहा है कि यह घटना करीब दो महीने पुरानी है। वीडियो में तीन लोग एक युवक को बेरहमी से पीटते हुए दिख रहे हैं। वीडियो में युवक को जूते-चप्पलों और लाठियों से मारते हुए नजर आ रहे हैं। यह मामला सीधी कोतवाली थाना से महज 400 मीटर की दूरी पर स्थित पूजा पार्क का है। हैरानी की बात घटना स्थल के इतने करीब होने के बावजूद पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। वीडियो में पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद की आवाजें साफ सुनाई दे रही हैं।

हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि पीड़ित युवक कौन है और झगड़े की असली वजह क्या थी। पूजा पार्क सीधी शहर का एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल है, जहां गायत्री

मंदिर, माता मंदिर और भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु आते हैं। शाम के समय यह पार्क परिवारों और युवाओं से गुलजार रहता है।

पिछले एक साल में 6 से 7 मारपीट की घटनाएं दर्ज: पिछले एक साल में इस परिसर में मारपीट की छह से सात घटनाएं दर्ज हो चुकी हैं, जिससे आम नागरिकों में भय का माहौल है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि शहर के सबसे व्यस्त और धार्मिक स्थल पर ऐसी घटनाओं के बावजूद पुलिस की गश्त और निगरानी क्यों नहीं बढ़ाई जा रही है। इस मामले में जब मीडिया ने पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी से संपर्क करने की कोशिश की तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल ने केवल इतना बताया कि एसपी साहब ने किसी को बाइट देने से मना किया है।

प्रशासनिकक अधिकारियों के साथ औषधि निरीक्षक ने मेडिकल स्टोरों में कफ सिरप की आकस्मिक जांच-पड़ताल की

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचित सोमवंशी के निर्देशानुसार तथा उपखंड अधिकारी राकेश शुक्ला के मार्गदर्शन में नायब तहसीलदार सी. पी. त्रिवेदी और औषधि निरीक्षक राधेश्याम वट्टी ने संयुक्त रूप से जिला मुख्यालय स्थित विभिन्न मेडिकल स्टोरों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने आशीष मेडिकल, विनय मेडिकल, सूरज मेडिकल और प्रताप मेडिकल (लालता चौक) का निरीक्षण कर दुकानों में रखी कफसिरप एवं अन्य दवाओं के भंडारण, क्रय-विक्रय रिकॉर्ड और दस्तावेजों की विस्तृत जांच की। प्रदेश शासन द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार औषधि निरीक्षक द्वारा सात दवाओं के नमूने जांच हेतु लिए गए, जिन्हें राज्य औषधि प्रयोगशाला भोपाल भेजा जाएगा।

निरीक्षण के दौरान दुकानों के संचालन से संबंधित अन्य वैधानिक प्रावधानों की भी जांच की गई तथा औषधि निरीक्षक द्वारा इस संबंध में रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसके आधार पर आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान आर्यन मेडिकल स्टोर के संचालक द्वारा निरीक्षण टीम को देखकर तत्काल दुकान बंद कर दी गई। उक्त दुकान को आगामी आदेश तक बंद रखने का नोटिस चस्पा कर दिया गया है।औषधि निरीक्षक ने बताया कि जिले के सभी मेडिकल स्टोरों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। यदि किसी भी दुकान में प्रतिबंधित, अमानक या एक्सपायरी दवाएं पाई जाती हैं अथवा नियमों का उल्लंघन करते हुए दुकान संचालन पाया जाता है, तो संबंधित संचालक के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए : डॉ प्रजापति

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर परामर्श सत्र आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास में वर्तमान संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य का महत्व विषय पर परामर्श सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई. पी. प्रजापति की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया।

कार्यक्रम का संचालन एवं विषय की भूमिका भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने प्रस्तुत की। परामर्श सत्र में मुख्य परामर्शदाता के रूप में शिव झरिया सह परामर्शदाता सोनाली उइके कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (परासी) ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि समस्याओं को अपने भीतर न रखें, बल्कि आवश्यकतानुसार सलाह लेकर उनका समाधान करें। तृतीय वक्ता के रूप में डॉ. अमिता खरे ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के अंतर को स्पष्ट करते हुए दोनों के संतुलन को जीवन में आवश्यक बताया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई. पी. प्रजापति ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि मानसिक समस्याओं को छिपाने के बजाय समय पर विशेषज्ञ से परामर्श लें। सत्र के दौरान छात्र-छात्राओं ने अपने प्रश्न रखे जिनका उत्तर परामर्शदाताओं द्वारा विस्तारपूर्वक दिया गया।

कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन भारतीय ज्ञान परंपरा की सहायक नोडल अधिकारी डॉ. आकांक्षा मिश्रा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार से डॉ. सुरेंद्र गुप्ता, डॉ. रामधारी जायसवाल, प्रो. बाबा हरिनंद, डॉ. सौरभी गुप्ता, डॉ. निशा सिंह, डॉ. ज्योति रजक, डॉ. राजेश पटेल, प्रो. प्रवीण कुमार, अनिल केवट सहित छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सोना लगातार महंगा होगा

संपादकीय

त्योहारों और शादियों का मौसम है। आपकी बेटी की शादी होनी है और आप कुछ सोने के आभूषण बनवाने पर सोच रहे होंगे, लेकिन बजट अनुमति नहीं देता, क्योंकि सोना आम आदमी के बजट से बाहर होता जा रहा है। दरअसल 10 ग्राम सोने के दाम 1.22 लाख रुपए तक पहुंच चुके हैं और चांदी भी 1.5 लाख रुपए के पार चली गई है। आम आदमी बेटी को सोना कैसे दे सकता है? इधर एक बहस आरंभ हुई है कि सोने का बहिष्कार कर देना चाहिए। बेटी के लिए सोने का विकल्प सोचना चाहिए, लेकिन सोने के बाजार की हकीकत बिल्कुल अलग है। वहां आम आदमी का अस्तित्व ही नहीं है। 'वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल' का मानना है कि सोने में अब भी उतना निवेश नहीं हो रहा, जितना होना चाहिए। वैश्विक निजी निवेश में सोने की हिस्सेदारी मात्र 1-2 फीसदी ही है, जबकि केंद्रीय बैंकों में सोने का रिजर्व 10-20 फीसदी के बीच रहा है। फिर भी यह दिलचस्प और हैरान करने वाला तथ्य है कि 2022 की दीपावली के बाद से सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि 2026 की दीपावली तक सोने के दाम 23 फीसदी और बढ़ सकते हैं। सोना 1.45 लाख और 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक उछल सकता है, क्योंकि बड़े निवेशक और दुनिया भर के केंद्रीय बैंक सोने में लगातार निवेश कर रहे हैं। चीन का पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना सितंबर में लगातार 11वें महीने सोने का शुद्ध खरीददार रहा है। यह डॉलर पर निर्भरता कम करने की चीन की रणनीति का हिस्सा है। 2025 में अभी तक घरेलू बाजार में सोने का रिटर्न करीब 60 फीसदी रहा है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह रिटर्न करीब 53 फीसदी रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के दाम 4890-5000 डॉलर प्रति आउंस हैं। एक आउंस 28.3 ग्राम के बराबर है। सोच लीजिए, सोना कितने आसमानों को छू रहा है। उसके बाजार को आम आदमी और उसकी बेटी की कोई चिंता नहीं है, क्योंकि आम आदमी का निवेश 'नगण्य' है।

'गोल्ड ईटीएफ' में भी इस साल अभी तक 17 फीसदी निवेश बढ़ चुका है। सितंबर में 'गोल्ड ईटीएफ' में 1.53 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जोकि एक माह में सबसे अधिक है। अंतरराष्ट्रीय, अमरीकी बाजार में कभी सोने के दाम 20.7 डॉलर थे। 1834-1934 के बीच सोने के दाम धीरे-धीरे बढ़े और 35 डॉलर के दाम लगातार 34 साल तक स्थिर रहे। अब मौजूदा दौर में सोना इतना महंगा और अनिवार्य हो गया है कि देशों की अर्थव्यवस्था की बुनियाद है, लेकिन आम आदमी के लिए मुसीबत, परेशानी का प्रतीक बन गया है। दरअसल सोने के दाम अमरीका से ही शुरू होते हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कारोबार डॉलर में ही होता है। जनवरी, 2025 में जब ट्रंप ने अमरीकी राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी, तो सोना 2700 डॉलर प्रति आउंस था।

सेवा में कमी पर विमान कपनियों से मिल सकता है मुआवजा!

(डॉ श्रीगोपाल नारसन)

हवाई यात्रा के दौरान सेवा में कमी के लिए एलायंस एयर एविएशन लिमिटेड पर 50 हजार का जुर्माना उपभोक्ता आयोग ने लगाया है,क्योंकि उड़ान के प्रस्थान में छह घंटे की देरी से यात्रियों को मानसिक पीड़ा झेलनी पड़ी थी।नई दिल्ली के एक उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष सुरेश कुमार गुप्ता और सदस्य हर्षाली कौर ने दो महिला उपभोक्ताओं की ओर से दायर एक शिकायत पर सुनवाई करते हुए यह फैंसला सुनाया है। उपभोक्ता आयोग ने अपने आदेश में कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है कि देरी एलांयस एयर के नियंत्रण से परे कारणों से हुई हो। उड़ान में देरी लगभग छह घंटे की थी। शिकायतकर्ता महिलाओं सहित यात्रियों को देरी के बारे में जानकारी नहीं दी गई थी। जिसपर उपभोक्ता आयोग ने विधिक व्यवस्था देते हुए अपने आदेश में कहा गया कि एयरलाइन को यात्रियों को जलपान उपलब्ध कराना चाहिए था। लेकिन यात्रियों को पानी तक नहीं दिया गया। विमान के रखरखाव में विमान कम्पनी की ओर से लापरवाही बरती गई थी ,साथ ही प्रस्थान के लिए यात्रियों का लंबा इंतजार मानसिक यातना के समान था।अगर एयरलाइन की लापरवाही से उपभोक्ता को कोई नुकसान होता है, जैसे सामान का खोना, देर से पहुँचना, या अन्य कोई सेवा में कोई कमी की गई हो, तो पीड़ित उपभोक्ता, उपभोक्ता संरक्षण कानून के तहत उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उपभोक्ता संरक्षण कानून, 2019 के तहत राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग काम कर रहा हैं, जहाँ उपभोक्ता शिकायत दायर कर सकते हैं। इसके लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। अगर एयरलाइन की लापरवाही से उपभोक्ता का सामान खो जाता है या देर से पहुँचता है, तो भी उपभोक्ता द्वारा शिकायत की जा सकती हैं। एयरलाइन की गलती के कारण हुए किसी भी अन्य प्रकार के मानसिक उत्पीड़न या वित्तीय नुकसान के लिए भी शिकायत की जा सकती है। लेकिन यदि उड़ान रद्दीकरण या देरी को टाला नहीं जा सकता था, तो एयरलाइन को किसी भी उपभोक्ता को मुआवजा देने की आवश्यकता नहीं है,जैसे यदि मौसम बहुत खराब है और हवाई यातायात नियंत्रण कहता है कि विमान उड़ान नहीं भर सकता,तो उड़ान रदद् होने पर भी उपभोक्ता मुआवजा पाने के हकदार नही होंगे।

साथ ही यदि अनिवार्य सरकारी आदेश के तहत युद्ध या अन्य कारणों से कोई उड़ान रद्द हो जाती है, तो एयरलाइनें उपभोक्ता की यात्रा जारी रखने के लिए कोई समाधान या वैकल्पिक योजना प्रदान करने के लिए ज़िम्मेदार नहीं हैं। इसी तरह के एक अन्य मामले में दिल्ली के एक उपभोक्ता आयोग ने इंडिगो एयरलाइन को सेवा में कमी का दोषी ठहराया है। यह मामला एक महिला को गंदे और दागदार सीट पर बैठने के कारण हुई परेशानी से जुड़ा है। आयोग ने एयरलाइन को 1लाख 5 हजार रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है, ताकि उस महिला को हुई असुविधा, दर्द और मानसिक पीड़ा की भरपाई की जा सके।पिंकी नाम की महिला उपभोक्ता की शिकायत पर यह फैसला सुनाया गया है। पिंकी ने बताया कि दो जनवरी को बाकू से नई दिल्ली की उड़ान में उन्हें एक अस्वच्छ, गंदी और दागदार सीट दी गई थी। पिंकी ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस बारे में शिकायत की, तो एयरलाइन ने इसे हल्के में लिया और असंवेदनशील तरीके से बात को टाल दिया।

नई दिल्ली जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने पिंकी नाम की महिला की शिकायत पर यह फैसला सुनाया। पिंकी ने बताया कि दो जनवरी 2025 को बाकू से नई दिल्ली की उड़ान में उन्हें एक अस्वच्छ, गंदी और दागदार सीट दी गई थी। पिंकी ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस बारे में शिकायत की, तो एयरलाइन ने इसे हल्के में लिया और असंवेदनशील तरीके से बात को टाल दिया। जिसपर उपभोक्ता को उपभोक्ता आयोग में जाकर न्याय की गुहार लगानी पड़ी।सुनवाई के दौरान एयरलाइन ने जवाब में कहा कि उन्होंने पिंकी की परेशानी को गंभीरता से लिया और उन्हें दूसरी सीट दी, जिस पर बैठकर उन्होंने अपनी यात्रा पूरी की। नौ जुलाई 2025 को दिए गए आदेश में उपभोक्ता आयोग ने कहा, हम मानते हैं कि इंडिगो सेवा में कमी का दोषी है।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित एक अंतर्राष्ट्रीय पालन दिवस है। 11 अक्टूबर 2012 को पहली बार बालिका दिवस मनाया गया था। तब से हर वर्ष 11 अक्टूबर को पूरी दुनियां में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस दुनिया भर में लड़कियों द्वारा उनके लिंग के आधार पर सामना की जाने वाली लैंगिक असमानता के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। इस असमानता में शिक्षा, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल और भेदभाव से सुरक्षा, महिलाओं के खिलाफ हिंसा और जबरन बाल विवाह जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

समाज में परिवर्तन की वाहक बने बालिकाएं

(11 अक्टूबर अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस)

रमेश सर्राफ धमोरा

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम है मैं लड़की हूं, मैं बदलाव का नेतृत्व करती हूं। संकट की अग्रिम पंक्ति में लड़कियां। यह थीम संकट की परिस्थितियों में लड़कियों की दृढ़ता, नेतृत्व और सशक्त भूमिका पर केंद्रित है। यह थीम उन चुनौतियों पर प्रकाश डालती है जिनका सामना बालिकाएं करती हैं। जैसे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और असमानताएं। यह थीम बालिकाओं को केवल संकट के शिकार के रूप में नहीं बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में पहचानने पर जोर देती है। यह थीम शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा में निवेश का आह्वान करती है ताकि वे बेहतर और समावेशी दुनिया का निर्माण कर सकें।

आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढने के बावजूद भी वह अनेको कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियां उनके आगे बढने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियो को बोझ समझा जाता है।

भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिये जाते हैं। इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषो की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढिवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जायेगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा।

पिछले कुछ वर्षो में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 12 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2023-24 में 12 अंक बढ़कर 930 हो गया।

हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है।

अगर समाज में बेटियों को उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नही रहेगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नही हम सबकी एक जिम्मेदारी है तो इसमें कुछ गलत नही है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाये। उन्हें इतना सशक्त बनाये की खुद गर्व से कह सके की देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है।आज लड़किया लड़को से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। कठिन से कठिन कार्य लड़किया सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। लड़कियों ने अपने काम और समर्पण के दम पर कई क्षेत्रों और क्षेत्रों में खुद को साबित किया है। वे अधिक प्रतिभाशाली, आज्ञाकारी, मेहनती और परिवार और अपने जीवन के लिए जिम्मेदार हैं। लड़कियां अपने परिवार और माता-पिता के प्रति अधिक देखभाल करने वाली और प्यार करने वाली होती हैं और वे हर काम में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देती हैं। देश की अर्थव्यवस्था में भी महिलाओं का अहम योगदान है। वे श्रम शक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और व्यवसायों की वृद्धि और विकास में योगदान देती हैं।

एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है। वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी बालिकायें भी है जो आज देश में फाईटर प्लेन उड़ा कर पूरे देश में जिले का मान बढ़ा रही हैं। समाज में सभी को मिलकर लडका-लडकी में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। देश में बालिकाओं के साथ हर दिन बलात्कार, प्रताडना की घटनायें अखबारो की सुर्खिया बनती हैं। बालिकायें कही भी अपने को सुरक्षित नहीं समझती हैं। चाहे घर हो या स्कूल अथवा कार्य स्थल। हर जगह वहशी भेडिये उन पर नजरे गड़ायें रहते हैं। उन्हे जब भी मौका मिलता है नोंच डालते हैं। ऐसे माहौल में देश की बालिकायें कैसे आगे बढ़ पायेगीं।

समाज के पढ़े लिखे लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे घिनोने कार्य को रोकने का माहौल बनाना होगा। ऐसा करने वाले लोगों को समझा कर उनकी सोच में बदलाव लाना होगा। लोगों को इस बात का संकल्प लेना होगा कि ना तो गर्भ में कन्या की हत्या करेगें ना ही किसी को करने देगें। तभी देश में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लग पाना संभव हो पायेगा। सरकार व समाज को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिये जिसमें बालिकायें खुद को महफूज समझ सकें। समाज और राष्ट्र के विकास के लिए बालिकाओं के महत्व को स्वीकार करना और बढ़ावा देना आवश्यक है।हम सभी जानते हैं कि एक लड़की समाज के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। वह एक मा, एक बेटी, एक पत्नी इस तरह कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाती है। उसे घर की शांति बनाए रखने वाली स्तंभ माना जाता है और फिर भी उसका अपमान किया जाता है। स्त्रियां ही संतति की परम्परा में मुख्य भूमिका निभाती है फिर भी प्राचीन समाज से लेकर आधुनिक कहे जाने वाले समाज तक स्त्रियां उपेक्षित ही रही है।

हमारे समाज का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज अपनी बच्चियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उन्हें कितना महत्व देते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना न केवल एक नैतिक दायित्व है बल्कि सामाजिक विकास के लिए एक जरूरी आवश्यकता भी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को आगे बढ़ने, सीखने के समान अवसर मिले। तभी हम एक संतुलित, न्यायसंगत और समृद्ध समाज बना सकेगें।

सर क्रीक को लेकर सचेत रहना होगा, रक्षा और घुसपैठ रोकने के लिए आवश्यक

सर क्रीक पर भारत की सीमाओं की दृढ़ता यह संदेश देती है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है और हर इंच भूमि की सुरक्षा के लिए भारत प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान यदि नए सिरे से राजनयिक पहल करे, आतंकवादियों को समर्थन बंद कर दे और अपने शब्दों और कर्मों में ईमानदारी दिखाए तो सर क्रीक विवाद का समाधान निकल सकता है।

डॉ. कृपा नौटियाल।

सर क्रीक क्षेत्र भारत-पाकिस्तान संबंधों में एक बार फिर तनाव का केंद्र बन गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सर क्रीक में सैन्य जमावड़े को लेकर पाकिस्तान को चेतावनी दी है। यह एक 96 किलोमीटर लंबा ज्वारीय मुहाना है, जो गुजरात में कच्छ के रण को पाकिस्तान के सिंध प्रांत से अलग करता है। सर क्रीक विवाद की जड़ें 1908 से जुड़ी हैं, जब कच्छ और सिंध के शासकों के बीच क्षेत्रीय विभाजन को लेकर असहमति उत्पन्न हुई। बांबे प्रेसीडेंसी द्वारा 1914 में एक प्रस्ताव के जरिये मामले को सुलझाने का प्रयास किया गया, लेकिन उसने एक अस्पष्टता पैदा कर दी। प्रस्ताव के एक खंड में सुझाव दिया गया कि सीमा क्रीक के बाहरी किनारे की ओर स्थित है, जबकि दूसरे में अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लेख किया गया, जिसके अलग निहितार्थ थे। यह मुद्दा 1965 के सशस्त्र संघर्ष के बाद फिर से उभरा, जब पाकिस्तान ने कच्छ के रण के आधे हिस्से पर दावा किया।

1968 में एक अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण ने रण के 90 प्रतिशत हिस्से पर भारत के दावे को बरकरार रखा, लेकिन सर क्रीक सीमा अनसुलझी रही। भारत का कहना है कि सीमा क्रीक के बीच से होकर गुजरती है, जबकि पाकिस्तान जोर देता है कि यह क्रीक के पूर्वी तट पर स्थित है। यह अंतर निर्धारित करता है कि समुद्री सीमा अरब सागर में कैसे फैली हुई है, जो संभावित हाइड्रोकार्बन भंडार, मछली पकड़ने के क्षेत्रों और दोनों देशों के विशेष आर्थिक क्षेत्रों में अरबों डालर के सामुद्रिक संसाधनों तक पहुंच को प्रभावित करता है।

साल 1989 से भारत और पाकिस्तान इस विवाद को सुलझाने के लिए ठोस प्रगति के बिना छह दौर की चर्चाएं कर चुके हैं। पाकिस्तान जोर देता है कि समुद्री सीमा के लिए आधार स्थापित करने के लिए पहले क्रीक में सीमा का सीमांकन किया जाना चाहिए, जो भूमि और समुद्री सीमा मुद्दों को जोड़ता है। वहीं भारत ने परिसीमन, सीमांकन का प्रस्ताव रखा, लेकिन तकनीकी कठिनाइयों और राजनीतिक अविश्वास ने कार्यान्वयन को रोक दिया है। यह भारत के अपने अन्य पड़ोसियों के साथ समुद्री सीमाओं के सफल समाधान के बिल्कुल विपरीत है।

श्रीलंका के साथ 1974 और 1976 में द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें मालदीव के साथ त्रिबिंदु से लेकर पाक स्ट्रेट, पाक खाड़ी और मन्नार की खाड़ी में 200 समुद्री मील की सीमा तक फैली 288 किलोमीटर की समुद्री सीमा स्थापित की गई। बांग्लादेश के साथ दशकों की असफल बातचीत के बावजूद विवाद अंततः संयुक्त राष्ट्र सामुद्रिक कानूनों के तहत अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के माध्यम से हल किया गया। 2014 में स्थायी मध्यस्थता न्यायालय ने बंगाल की खाड़ी में विवादित 25,602 वर्ग किलोमीटर में से 19,467 वर्ग किलोमीटर बांग्लादेश को प्रदान किया। भारत और बांग्लादेश ने इस बाध्यकारी निर्णय को स्वीकार किया और इसे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के अवसर के रूप में उपयोग किया। ये उदाहरण दर्शाते हैं कि जब राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तब समुद्री सीमा विवादों का शांतिपूर्ण समाधान बातचीत या मध्यस्थता के माध्यम से संभव है।

सर क्रीक पाकिस्तान को रणनीतिक रूप से प्रभावित करता है। इसका सबसे बड़ा शहर कराची इस विवादित सीमा से केवल 60 किलोमीटर दूर स्थित है, जहां इसका प्राथमिक नौसैनिक अड्डा है। यहां भारतीय नौसैनिक उपस्थिति पाकिस्तान की व्यावसायिक जीवन रेखा और सैन्य बुनियादी ढांचे को खतरे में डालती है। भारत के लिए सर क्रीक को सुरक्षित करना गुजरात की तटरेखा की रक्षा के लिए आवश्यक है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कांडला बंदरगाह और क्षेत्र को घुसपैठ गलियारा बनने से रोकने के लिए भी यह जरूरी है।

सर क्रीक पर उठे विवाद को नए सिरे से 2019 के बाद के सैन्य गतिरोध और आपरेशन सिंदूर के व्यापक संदर्भ में समझा जाना चाहिए। भारत के नौसैनिक आधुनिकीकरण जैसे कि स्वदेशी विमानवाहक पोत, उन्नत पनडुब्बियां और बढ़ी हुई तटीय निगरानी ने समुद्री शक्ति संतुलन को मूल रूप से बदल दिया है। पाकिस्तान इसके जरिये नौसैनिक रणनीति को तेज करना चाहता है। वह उन्नत पनडुब्बियां और जहाज-रोधी मिसाइलें प्राप्त करने के लिए चीनी सैन्य सहायता का लाभ उठाना चाहता है। सर क्रीक क्षेत्र में पाकिस्तान की कोई भी दुस्साहसिक कार्रवाई उसे पीढ़ियों तक पछताने पर मजबूर कर सकती है। सर क्रीक क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के साथ नियमित गश्त भारतीय तटरक्षक बल और पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एजेंसी द्वारा संचालित की जाती है। ये गश्त एक दोहरे उद्देश्य की पूर्ति करती हैं। इससे दोनों देश विवादित जल पर नियंत्रण बनाए रखते हैं और दोनों देशों से मछली पकड़ने वाली नौकाओं द्वारा अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा को अनजाने में पार करने से रोकते हैं। फिलहाल यह भारत की समुद्री सुरक्षा नीति का अहम हिस्सा बना हुआ है। सर क्रीक पर भारत की सीमाओं की दृढ़ता यह संदेश देती है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है और हर इंच भूमि की सुरक्षा के लिए भारत प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान यदि नए सिरे से राजनयिक पहल करे, आतंकवादियों को समर्थन बंद कर दे और अपने शब्दों और कर्मों में ईमानदारी दिखाए तो सर क्रीक विवाद का समाधान निकल सकता है।

अतिथि व्याख्याता इतिहास के लिए आवेदन 22 अक्टूबर तक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शासकीय काव्योपाध्याय हीरालाल महाविद्यालय अभनपुर में शैक्षणिक सत्र 2025-2026 के लिए अतिथि व्याख्याता इतिहास के पद पर अध्यापन कार्य हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। आवेदक अपने समस्त प्रमाण पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन, केवल रजिस्टर्ड डाक अथवा विशेष वाहक के माध्यम से 9 अक्टूर से 22 अक्टूबर 2025 तक कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकता है। अतिथि व्याख्याता इतिहास के संबंध में विस्तृत जानकारी महाविद्यालय की Website : www.gkhca.in में उपलब्ध है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

चनियागांव एनीकट निर्माण कार्य हेतु 363.85 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा कोण्डागांव जिले के विकासखंड फरसगांव के चनियागांव एनीकट निर्माण कार्य हेतु तीन करोड़ तिरसठ लाख पचासी हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति छत्तीसगढ़ शासन वित्त एवं योजना विभाग की समिति की दिनांक 23 जुलाई 2025 की अनुशंसा एवं माननीय मंत्री जी के अनुमोदन के पश्चात दी गई है। प्रस्तावित कार्य पूर्ण होने पर जल संवर्धन, निस्तारी, पेयजल आपूर्ति तथा कृषकों द्वारा स्वयं के साधनों से 60 हेक्टेयर खरीफ क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। कार्य के निष्पादन हेतु यह निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्य स्वीकृत राशि एवं निर्धारित समयावधि में ही पूर्ण किया जाए, तथा सभी तकनीकी स्वीकृतियाँ, ड्रॉइंग-डिज़ाइन अनुमोदन एवं निविदा प्रक्रियाएँ सक्षम अधिकारी से प्राप्त करने के पश्चात ही प्रारंभ की जाएँ। कार्य की गुणवत्ता, मितव्ययिता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए तथा निविदा प्रक्रिया निष्पक्ष रूप से संपन्न की जाए। राज्य शासन ने निर्देश दिए हैं कि यदि कार्य की लागत या निविदा दरों में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि होती है तो पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। कार्य की गुणवत्ता पर किसी भी स्तर पर कमी पाए जाने पर उत्तरदायित्व निर्धारण कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। कार्य निर्धारित समय में पूर्ण किया जाना अनिवार्य होगा और अनावश्यक समय वृद्धि नहीं दी जाएगी। इस योजना के पूर्ण होने पर क्षेत्र में जल उपलब्धता में सुधार होगा, सिंचाई क्षमता बढ़ेगी तथा किसानों को खरीफ फसल के लिए स्थायी जल सुविधा प्राप्त होगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

लवन शाखा नहर अंतर्गत माइनर्स के जीर्णोद्धार कार्य हेतु 363.35 लाख की मिली स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विकासखंड पलारी की महानदी परियोजना अंतर्गत लवन शाखा नहर के तिल्दा, करदा, लाटा एवं सिरियाडीह माइनर के रिमाडलिंग, सी.सी. लाइनिंग तथा स्ट्रक्चर्स के जीर्णोद्धार कार्य हेतु तीन करोड़ तिरसठ लाख पैतीस हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

यह स्वीकृति अद्यतन दर अनुसूची 08 अगस्त 2025 के आधार पर दी गई है। कार्य पूर्ण होने पर योजना की कुल सिंचाई क्षमता 642.35 हेक्टेयर होगी। स्वीकृति के साथ यह निर्देश दिए गए हैं कि कार्य निर्धारित समयावधि एवं स्वीकृत राशि में ही पूर्ण किया जाए, गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए तथा सभी शासकीय नियमों और तकनीकी स्वीकृतियों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए। इस योजना से क्षेत्र की सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी तथा किसानों को बेहतर जल प्रबंधन सुविधा प्राप्त होगी।

हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी मुख्य / अवसर परीक्षा नवम्बर 2025 की समय-सारिणी घोषित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल, रायपुर द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी मुख्य / अवसर परीक्षा नवम्बर 2025 की समय-सारिणी निर्धारित कर दी गई है। इस वर्ष हायर सेकण्डरी की परीक्षा दिनांक 17 नवम्बर 2025 से प्रारंभ होकर 01 दिसम्बर 2025 तक आयोजित होगी। वहीं हाईस्कूल की परीक्षा 17 नवम्बर 2025 से प्रारंभ होकर 28 नवम्बर 2025 तक संपन्न होगी। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के अधिकारियों ने बताया कि छात्र-छात्राएं अपनी परीक्षा से संबंधित विस्तृत समय-सारिणी की जानकारी अपने समीपस्थ अध्ययन केन्द्र से प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही समय-सारिणी राज्य ओपन स्कूल की आधिकारिक वेबसाइट भी उपलब्ध है, जिसे छात्र डाउनलोड कर सकते हैं। अधिकारियों ने परीक्षार्थियों से अनुरोध किया है कि वे अपनी परीक्षा की तिथि एवं समय की जानकारी पूर्व में प्राप्त कर लें और निर्धारित समय पर परीक्षा केंद्र में उपस्थित हों। परीक्षा से संबंधित नवीनतम सूचना हेतु छात्र-छात्राएं अपने अध्ययन केन्द्र या राज्य ओपन स्कूल की वेबसाइट का नियमित रूप से अवलोकन करते रहें।

सिंचाई कालोनी और निरीक्षण गृह के लिए 7.36 करोड़ रूपए स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा बस्तर जिले के अंतर्गत सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 7 करोड़ 36 लाख 21 हजार रूपए स्वीकृत किए है। स्वीकृत योजनाओं में विकासखण्ड बस्तर के कोसारटेडा मध्यम सिंचाई जलाशय परियोजना के भानपुरी स्थित सिंचाई कालोनी में सड़क, नाली, बाऊण्ड्रीवाल, पानी टंकी, पाईप लाईन, क्रीडा परिसर का निर्माण कार्य हेतु 3 करोड़ 50 लाख 75 हजार रूपए स्वीकृत किए है। इसी प्रकार विकासखण्ड गृह निर्माण कार्य हेतु 3 करोड़ 50 लाख 75 हजार रूपए स्वीकृत किए है।

मनोविकास केंद्र के 5 छात्रों का पर्पल फेस्ट 2025 के लिए हुआ चयन, कलेक्टर ने दी शुभकामनाएं

9 से 12 अक्टूबर तक गोवा में आयोजित पर्पल फेस्ट में करेंगे योगा प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मनोविकास केन्द्र बलौदाबाजार के 5 विद्यार्थियों का चयन प्रतिष्ठित पर्पल फेस्ट 2025 में भाग लेने के लिए हुआ है। यह आयोजन 9 से 12 अक्टूबर 2025 तक गोवा मे किया जा रहा है। फेस्ट में हिस्सा लेने गोवा रवाना होने से पहले गुरुवार को कलेक्टर दीपक सोनी से चयनित बच्चों ने मुलाक़ात की। कलेक्टर श्री सोनी ने मनोविकास केंद्र के बच्चों का फेस्ट के लिए चयन होने पर जिले के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए उन्हें शुभकामनायें दी।

मनोविकास केन्द्र के नोडल अधिकारी आशा शुक्ला ने बताया कि केंद्र के छात्र कुलदीप निर्मलकर, तुषार सेन पुष्कर कुमार साहू,लोकेश कुमार वर्मा एवं किशन यादव का चयन पर्पल फेस्ट 2025 में भाग लेने के लिए हुआ है। इनके साथ योग शिक्षक श्री ललित कुमार साहू तथा केन्द्र प्रमुख श्री दुर्गा शंकर पटनायक भी कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।चयनित विद्यार्थी मनोविकास केन्द्र एवं बलौदाबाजार-भाटापारा जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए 15 मिनट का योग प्रदर्शन प्रस्तुत करेंगे जो दिव्यांगजनों की क्षमताओं और समावेशन की भावना को उजागर करेगा। यह भागीदारी मनोविकास पहल और जिला प्रशासन के लिए गर्व का क्षण होगा तथा इन विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और अनुभव प्रदान करेगी। पर्पल फेस्ट 2025 को दिव्यांगजनों की रचनात्मकता, प्रतिभा और सशक्तिकरण के एक जीवंत उत्सव के रूप में देखा जा रहा है। यह आयोजन भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग,गोवा सरकार के राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन कार्यालय, तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय एवं संयुक्त राष्ट भारत के सहयोग से किया जा रहा है।पर्पल फेस्ट का उद्देश्य दिव्यांगजनों के समावेशन, पहुंच और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। यह महोत्सव समाज में जागरूकता फैलाने, उनकी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने और एक ऐसे समाज के निर्माण की दिशा में कार्य करता है जहां प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा और समान अवसरों के साथ जीवन जीने का अधिकार हो।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के विकास और पुनर्वास हेतु जिला प्रशासन द्वारा बलौदाबाजार में सीएसआर मद से मनोविकास केंद्र संचालित किया जा रहा है। इस केंद्र में 45 से अधिक बच्चों को विशेष शिक्षा, चिकित्सा सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण और समग्र विकास की सुविधाएं प्रदान किया जा रहा है। यह केंद्र जनवरी 2025 से शुरू हुआ है और अल्प समय मे ही बेहतर परिणाम सामने आने लगा है। विशेष शिक्षा, थेरेपी सेवाएं व्यावसायिक प्रशिक्षण,मनोवैज्ञानिक परामर्श और खेल व सांस्कृतिक गतिविधियां संचालित की जा राही हैं। साथ ही बच्चों को आत्मनिर्भर बनने के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों से भी जोड़ा जाता है।

ग्राम पंचायत मझौली की उचित मूल्य दुकान हेतु समितियों से आवेदन आमंत्रित, अंतिम तिथि 28 तक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) खड़गवां, जिला एमसीबी ब्लाक खड़गवां के आदेशानुसार ग्राम पंचायत मझौली स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान (आईडी क्रमांक 532004083) के संचालन की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत मझौली के सरपंच एवं सचिव द्वारा निभाए जाने में असमर्थता व्यक्त की गई है। इस परिस्थिति को देखते हुए उक्त दुकान का संचालन किसी सक्षम समिति को सौंपे जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है, ताकि क्षेत्र की जनता को खाद्यान्न वितरण की सुविधा सुचारु रूप से मिलती रहे। इस उद्देश्य से आदिम जाति सहकारी समिति, बहुउद्देशीय सहकारी समिति, महिला स्वंय सहायता समूह, वन सुरक्षा समिति एवं अन्य पात्र समितियों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। इच्छुक समितियां 10 से 28 अक्टूबर 2025 तक कार्यालयीन समय में आवेदन प्रस्तुत कर सकती हैं। आवेदन के साथ पंजीयन प्रमाण पत्र, पासबुक की छायाप्रति एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) खड़गवां ने स्पष्ट किया है कि उचित मूल्य दुकान का आबंटन नियमानुसार एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत किया जाएगा, जिससे ग्रामीण अंचल के पात्र हितग्राहियों को राशन वितरण में किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

बंजी हाई स्कूल में बालिकाओं की मानसिक स्वास्थ्य हेतु चलाया गया विशेष जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार की लोकप्रिय योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे के अवसर पर ग्राम पंचायत बंजी की हाई स्कूल में बालिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मिशन सशक्तिकरण मिशन शक्ति हब के द्वारा आयोजित किया गया और इसका संचालन जिला समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा ने किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ाना, उनके आत्मविश्वास और मानसिक सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के महत्व के प्रति शिक्षित करना था।

कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच, आत्म–सम्मान और आत्म–समर्पण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार और जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार खाती के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न इंटरैक्टिव सत्रों, खेल गतिविधियों और संवाद सत्रों में भाग लेकर अपने अनुभव साझा किए। विशेषज्ञों और शिक्षकों ने बालिकाओं को यह समझाया कि मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य के समान ही महत्वपूर्ण है और इसे समय पर समझकर और उचित देखभाल के माध्यम से जीवन में स्थिरता, संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखी जा सकती है। कार्यक्रम ने बालिकाओं में आत्मविश्वास और सशक्तिकरण को बढ़ाने के लिए माइंडफुलनेस और ध्यान सत्रों का आयोजन भी किया। विद्यार्थियों ने इन गतिविधियों में भाग लेकर न केवल मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को अनुभव किया, बल्कि अपने भीतर सकारात्मक सोच और आत्म–विश्वास का विकास भी किया।

राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता से विद्यार्थियों में जागी वैज्ञानिक चेतना

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन सेजेस मनेंद्रगढ़ परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी आर. पी. मिरे के निर्देशन में किया गया जिसमें जिले के समस्त शैक्षणिक अधिकारियों और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। कार्यक्रम की रूपरेखा को व्यवस्थित करने में जिला नोडल अधिकारी श्री इरफान खान, वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती सुनीता मिश्रा, सहायक नोडल जसवंत डहरिया, ब्लॉक नोडल संदीप कुमार, व्याख्याता विक्रांत दुबे और शिक्षक श्री कौशल ने मिलकर प्रश्नों का चयन और प्रतियोगिता संचालन किया। कार्यक्रम में सेजेस मनेंद्रगढ़ के प्राचार्य रामाश्रय शर्मा तथा जिले के समग्र शिक्षा एफएलएन के कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

इस जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता को दो मुख्य वर्गों में आयोजित किया गया, जिसमें माध्यमिक स्तर कक्षा छठवीं से आठवीं तक और हाई/हायर सेकेंडरी स्तर कक्षा नवमी से बारहवीं तक शामिल था। प्रतियोगिता में जिले के तीनों ब्लॉक मनेंद्रगढ़, खड़गवां और भरतपुर से चयनित छात्र–छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में छात्रों ने विज्ञान, तकनीक और नवाचार से जुड़े विविध प्रश्नों का सामना करते हुए न केवल अपनी बुद्धिमत्ता दिखाई बल्कि वैज्ञानिक चेतना और नवाचार की दिशा में गहरी रुचि भी प्रदर्शित की।

माध्यमिक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया रवि कुमार यादव ने माध्यमिक शाला बरकेला से, द्वितीय स्थान अफसिबा टोप्पो ने सेजेस भरतपुर से और तृतीय स्थान निहाल यादव ने माध्यमिक शाला बरकेला से प्राप्त किया। हाई/हायर सेकेंडरी स्तर पर प्रथम स्थान कृष्णा साहू ने सेजेस मनेंद्रगढ़, द्वितीय स्थान स्नेहा केवट ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेंद्रगढ़ और तृतीय स्थान विजय प्रकाश ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भरतपुर ने प्राप्त किया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर सुनीता मिश्रा, जसवंत डहरिया और संदीप कुमार ने कहा कि इस प्रतियोगिता ने छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की सोच को बढ़ावा दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को लगातार सीखने, प्रश्न पूछने और प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के जिला नोडल अधिकारी इरफान खान ने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और पालकों का उनके सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएँ न केवल विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना विकसित करती हैं बल्कि उन्हें नवाचार, टीम वर्क और तार्किक सोच में भी कुशल बनाती हैं।

दलहन मिशन और नेचुॅरल फॉरमिंग मिशन का 11 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग से करेंगे शुभारंभ

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के कृषि मंत्रियों से की चर्चा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कृषि के क्षेत्र में कम उत्पादकता वाले जिले, मध्यम फसल तीव्रता वाले जिले और औसत से कम ऋृण वाले जिले के संतुलित विकास को ध्यान में रखते हुए 11 अक्टूबर को देश के किसानों के लिए दलहन मिशन और नेचुॅरल फॉरमिंग मिशन का शुभारंभ करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के मंत्रियों से चर्चा कर तैयारियों का जाएजा लिया। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम शामिल हुए।

गौरतलब है कि भारत के कृषि क्षेत्र को उत्पाकता में कमी, सिंचाई की सीमित उपलब्धता, ऋृण सुविधा की कमी और फसल कटाई के बाद भंडारण की कमजोर व्यवस्था जैसी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इन कमियों को दूर करने हेतु प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना प्रारंभ की जा रही है। जिसके अतंर्गत देश में 100 आकांक्षी जिलों को चयन किया गया है। इनमें छत्तीसगढ़ के 3 जिलों दंतेवाड़ा, जशपुर और कोरबा को शामिल किया गया है। इन जिलों में कृषि उत्पादकता बढ़ाने फसल विविधीकरण, सतत् खेती, सिंचाई सुधार और कृषि ऋृण की सुलभता सुनिश्चित की जाएगी।

वीडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में बताया गया कि देश में दलहन उत्पादकता का बढ़ाना दलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना वर्ष 2024-25 में 244.93 लाख टन से बढ़ाकर 2030-31 तक 350 लाख टन दलहन का उत्पादन करना है। वहीं दलहन की खेती का रकबा बढ़ाकर 310 लाख टन करना है। बैठक में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान के कहा कि दलों की आयात की जरूरत को समाप्त करते हुए आत्मनिर्भरता की आगे बढ़ना है।

राज्यपाल श्री डेका को ‘प्रारंभ‘ पत्रिका का विशेषांक भेंट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका को आज राजभवन में ‘‘सोसाइटी फॉर एम्पावरमेंट‘‘ द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका ‘‘प्रारंभ‘‘ की प्रति भेंट की गई। विशेष पिछड़ी जनजातियों पर केंद्रित इस विशेषांक का संपादन मानवविज्ञानी एवं राज्यपाल के उप सचिव डॉ. रूपेन्द्र कवि द्वारा किया गया है। इस विशेषांक में विशेष पिछड़ी जनजातियों समुदायों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक स्थिति पर गहन विमर्श प्रस्तुत किया गया है, तथा इससे नीति-निर्माताओं, शोधार्थियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को उपयोगी जानकारी मिलेगी। राज्यपाल श्री डेका ने पत्रिका की विषयवस्तु की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस पहल को जनजातीय समुदायों की जागरूकता एवं सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

आयुष्मान योजना ने नया जीवन दिया दिव्यांग शंकर को घर लौटते समय सड़क दुर्घटना में हुआ घायल

आयुष्मान भारत योजना से हुआ नि:शुल्क उपचार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। 32 वर्षीय शंकर गुप्ता पहले से ही शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं। रोज़ की तरह वे घर लौट रहे थे, इस दौरान आकस्मिक दुर्घटना में शंकर के पैर की हड्डियाँ चार जगहों से टूट गई जिनमें घुटने का पटेला, फीमर और लांग बोन क्षति हुई। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने बताया कि स्थिति गंभीर है और सर्जरी ही एकमात्र उपाय है। आयुष्मान भारत योजना से शंकर का निःशुल्क उपचार हुआ, जिससे उसे नया जीवन मिला।

जिले के विकासखण्ड रामचन्द्रपुर अंतर्गत ग्राम चाकी निवासी 32 वर्षीय शंकर गुप्ता का इलाज का अनुमानित खर्च लगभग 80 हजार रुपये बताया गया। सीमित साधनों वाला परिवार असमंजस में था कि इतनी बड़ी रकम ईलाज के लिए कहाँ से लाए। ऐसी स्थिति में आयुष्मान भारत योजना उनके लिए संजीवनी बनकर आई। योजना के अंतर्गत उनका पूरा ईलाज निःशुल्क हुआ। सर्जरी, सीटी स्कैन और दवाइयाँ सभी इसी योजना के तहत कवर हुई। सर्जरी सफल रही और अब शंकर की सेहत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। चिकित्सकों की निगरानी में वे पुनः खड़े होने की कोशिश कर रहे हैं।

ईलाज पूरा होने के बाद शंकर भावुक स्वर में कहते हैं, मैं पहले से दिव्यांग हूँ, दुर्घटना के बाद लगा कि अब शायद जीवनभर चल नहीं पाऊँगा। लेकिन आयुष्मान योजना मेरे लिए वरदान बन गई। यदि आयुष्मान योजना न होती तो मेरा ईलाज संभव नहीं था। सरकार की इस योजना ने मुझे न सिर्फ ईलाज, बल्कि दोबारा जीने का हौसला दिया है। शंकर गुप्ता की यह कहानी बताती है कि जब सरकारी योजनाएं सही जरूरतमंद तक पहुँचती हैं, तो वे किसी के लिए नया जीवन बन जाती हैं।

जनसेवा ही हमारा संकल्प - मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने जनदर्शन में सुनी जनता की समस्याएँ, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

खनिज न्यास की योजनाओं से होगा जनजीवन में सुधार - सूरजपुर में शासी परिषद की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री और भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि जनसेवा ही हमारा संकल्प है, जनता की प्रत्येक समस्या का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने आज अपने निवास बीरपुर जिला सूरजपुर में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुँचे नागरिकों की समस्याएँ और सुझाव सुनी। उन्होंने अधिकारियों को हर आवेदन पर आवश्यक और त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से आम जनता की समस्याओं का निराकरण स्थल पर ही सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से जनता तक पहुँच सके।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की अध्यक्षता में आज जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) सूरजपुर की शासी परिषद की बैठक भी जिला पंचायत कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में सांसद श्री चिंतामणि महराज, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े, कलेक्टर सहित जिले के जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में खनिज न्यास निधि से संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई और विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा हुई। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने निर्देश दिए कि खनिज न्यास निधि से संचालित सभी योजनाएँ जनजीवन के उत्थान में सार्थक योगदान दें, तथा उनके क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि खनिज क्षेत्र से प्राप्त संसाधनों का अधिकतम लाभ स्थानीय जनता को मिले और इन योजनाओं के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, पोषण, सड़क एवं रोजगार के क्षेत्र में स्थायी सुधार हो।

छतरपुर-नौगांव में अवैध पटाखा भंडारण पर कार्रवाई

तीन गिरतार, सवा तीन लाख रुपए से ज्यादा की आतिशबाजी सामग्री जत

छतरपुर, एजेंसी। दीपावली से पहले छतरपुर जिले में अवैध रूप से पटाखों के भंडारण के खिलाफ पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है। जिला पुलिस ने छतरपुर और नौगांव में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से सवा तीन लाख रुपए से अधिक की आतिशबाजी सामग्री बरामद की गई है।

छतरपुर में दो आरोपी गिरफ्तार: कोतवाली पुलिस छतरपुर ने गल्ला मंडी के पास स्थित एक मकान में छापा मारा, जहां रिहायशी इलाके में अवैध रूप से आतिशबाजी सामग्री स्टोर की जा रही थी। यहां से पुलिस ने करीब दो लाख रुपये कीमत के 50 से ज्यादा प्रकार के पटाखे जब्त किए।

इस मामले में पुलिस ने साकेत अग्रवाल (निवासी पिपरसानिया मोहल्ला, गल्ला मंडी) और कल्याण सिंह (निवासी ग्राम सरानी) को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नौगांव में भी बड़ी जब्ती: इसी तरह, नौगांव पुलिस ने स्टेट बैंक के पास एक घर में छापा मारा, जहां हीरालाल रैकवार (निवासी नौगांव) के मकान से करीब 1.25 लाख रुपये कीमत की आतिशबाजी बरामद की गई। जब्त सामग्री 12 कार्टून में रखी गई थी। पुलिस ने हीरालाल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की है।

अवैध भंडारण पर पूरी तरह प्रतिबंध: पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन और पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। रिहायशी क्षेत्रों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पटाखों के निर्माण, भंडारण और विक्रय पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। केवल निर्धारित सुरक्षित स्थानों पर ही पटाखा बिक्री की अनुमति दी गई है। साथ ही, पटाखा दुकानों में अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता और सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य किया गया है। दोनों मामलों में अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी गई है।

पानी में डूब कर छात्र की मौत

दोस्तों के साथ 25 फीट गहरे कुएं में नहाने उतरा था, देर रात तक चला रेस्क्यू

सागर, एजेंसी। सागर जिले के मोतीनगर थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक बगैर मुंडेर के कुएं में डूबने से 10वीं के छात्र की मौत हो गई। छात्र स्कूल जाने का कहकर घर से निकला था, लेकिन अपने दो दोस्तों के साथ नहाने के लिए कुएं पर पहुंच गया। नहाते समय वह गहरे पानी में डूब गया। सूचना पर पहुंची SDERF की टीम ने देर रात तक सर्चिंग की, लेकिन अंधेरा होने के कारण सर्चिंग में काफी दिक्कतें आई। हालांकि देर रात शव बरामद कर लिया गया। शुक्रवार को पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव का पोस्टमार्टम कराया है। मर्ग कायम कर मोतीनगर पुलिस ने जांच में लिया है। पुलिस के अनुसार, रजौआ गांव का रहने वाला लेखराज पिता हेमराज पटेल (17) कक्षा 10वीं का छात्र था। वह गुरुवार को अपने दो दोस्तों के साथ स्कूल जाने का बोलकर घर से निकला था, लेकिन तीनों स्कूल नहीं गए। वे

बदौना गांव के पास बने करीब 25 फीट गहरे कुएं में नहाने चले गए। नहाते समय लेखराज गहरे पानी में चला गया और डूब गया।

दोस्तों ने मचाया शोर, ग्रामीणों को बुलाया: लेखराज को डूबता देख उसके दोस्त घबरा गए और उन्होंने शोर मचाकर आसपास के ग्रामीणों को सूचना दी। जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तब तक छात्र पानी में पूरी तरह समा चुका था। इसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई।

देर रात तक चली सर्चिंग, अंधेरे के कारण हुई परेशानी: घटना की सूचना पर मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत SDERF की टीम को बुलाया। SDERF की टीम ने कुएं में छात्र की तलाश के लिए सर्चिंग ऑपरेशन चलाया, लेकिन कुएं में पानी ज्यादा होने और अंधेरा हो जाने के कारण देर रात तक सर्चिंग चलती रही।

बीएमसी में भर्ती मरीजों के परिजन में मारपीट

पलंग के पास रखी कुर्सी उठाने पर भिड़े, दो भाइयों ने मिलकर युवक को पीटा

सागर, एजेंसी। बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) के वार्ड नंबर 9 में गुरुवार शाम दो मरीजों के परिजनों के बीच विवाद हो गया। विवाद में गाली-गलौज के बाद मारपीट भी हुई। अस्पताल में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। घायल युवक ने गोपालगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने मारपीट समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, फरियादी अनिल अहिरवार ने बताया कि उनकी पत्नी पूनम अहिरवार एक्सीडेंट में घायल हुई थीं और उन्हें हेड इंजरी आई थी। उनका इलाज बीएमसी में चल रहा है। पूनम बीएमसी के वार्ड नंबर 9 में लगभग 8 महीने से पंलग नंबर 24 पर भर्ती हैं। इसी वार्ड में उनके पास पंलग नंबर 26 पर कमला नाम की महिला और उनके दो बेटे अजय और कृष्णा भर्ती थे।

कुर्सी को लेकर विवाद: अनिल अहिरवार ने बताया कि अजय कोरी ने उनके पंलग के पास रखी कुर्सी उठाई। जब अनिल ने कहा कि यह कुर्सी मेरे लिए है और मैं इसे इस्तेमाल करता हूं, तो अजय ने गाली-गलौज शुरू कर दी। गालियां देने से मना करने पर अजय और उनके भाई कृष्णा ने लात-घूंसों से मारपीट की।

घायल युवक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई: मारपीट में अनिल अहिरवार को गर्दन और माथे पर चोटें आई हैं। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर विवाद को शांत कराया। घायल युवक ने गोपालगंज थाने पहुंचकर शिकायत की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मारपीट समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अस्पताल सुरक्षा और कार्रवाई: बीएमसी में घटना के दौरान सुरक्षाकर्मी मौजूद थे जिन्होंने समझाइश देकर विवाद को रोकने की कोशिश की। पुलिस अब घटना के संबंध में सभी पक्षों से पूछताछ कर रही है।

टीकमगढ़ में दिन-रात के तापमान में गिरावट

खेतों में पानी से रबी फसलों की बुवाई एक हफ्ते टली

टीकमगढ़, एजेंसी। टीकमगढ़ में पिछले तीन दिनों से मौसम में बदलाव आया है। दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, तापमान में यह कमी मानसून की वापसी का संकेत है। हालांकि, खेतों में अभी भी बारिश का पानी जमा होने के कारण रबी फसलों की बुवाई शुरू नहीं हो पाई है। किसानों को बुवाई के लिए खेतों के सूखने का इंतजार है। भू अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। गुरुवार को अधिकतम तापमान घटकर 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.02 डिग्री सेल्सियस रहा।

अगले दो दिनों में तापमान गिरने की संभावना है: अगले दो दिनों में दिन का तापमान 30 डिग्री

और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। किसान राजाराम पाल ने बताया कि अत्यधिक बारिश के कारण इस बार खेतों में पानी भरा हुआ है, जिससे पिछले साल की तुलना में रबी फसलों की बुवाई में देरी हो रही है।

किसानों का अनुमान है कि यदि अगले एक हफ्ते तक बारिश नहीं होती है, तो दिवाली तक रबी फसलों की बुवाई का काम शुरू हो पाएगा। कलेक्टर विवेक श्रोतिय ने बताया कि एक सप्ताह बाद खाद की मांग बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए जिले की सभी सरकारी समितियों में पर्याप्त खाद पहुंचा दिया गया है। इसके अतिरिक्त, निजी खाद विक्रेताओं के स्टॉक की भी लगातार जांच की जा रही है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे खाद की उपलब्धता की निरंतर निगरानी करें ताकि आने वाले दिनों में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

अनूपपुर की जमुना कॉलरी में दिखा भालू

रिहायशी इलाकों में दहशत; वन विभाग ने बढ़ाई गश्त

अनूपपुर, एजेंसी। अनूपपुर जिले की जमुना कॉलरी के रिहायशी इलाकों में भालू का विचरण देखा जा रहा है। भालू के लगातार दिखने से स्थानीय निवासियों में चिंता बढ़ गई है। शाम होते ही लोग अपने घरों में रहने को मजबूर हैं। कोतमा रेंजर हरीश तिवारी ने बताया कि देर रात जमुना कॉलोनी में भालू की मौजूदगी दर्ज की गई थी। इस घटना के बाद से वन विभाग का दल लगातार क्षेत्र में गश्त कर रहा है।

यह क्षेत्र आमाडांड के जंगलों से सटा हुआ है, जिसके कारण भालू अक्सर रिहायशी इलाकों में प्रवेश कर जाते हैं। वन विभाग ने स्थानीय लोगों से सतर्क रहने और रात के समय अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने की अपील की है।

इससे पहले, 1 अक्टूबर को भी इसी क्षेत्र में भालू की गतिविधि देखी गई थी। उस समय एक भालू ने एक घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश कर लिया था।

सीहोर में मेडिकल संचालक से मांगी अबॉर्शन किट

ड्रग इंस्पेक्टर से कार्रवाई की धमकी देकर मांगे 30 हजार

सीहोर,एजेंसी। सीहोर में मेडिकल स्टोर संचालकों से पैसे वसूलने की कोशिश करने वाले चार लोगों पर कोतवाली पुलिस ने एफआईआर की है। आरोप है कि ये लोग खुद को पत्रकार बताकर दुकानों पर पहुंचे, अबॉर्शन किट की मांग की और फिर ड्रग इंस्पेक्टर से कार्रवाई कराने की धमकी देकर पैसे मांगने लगे।

डॉक्टर की पर्ची मांगी तो धमकाने लगे: शिकायतकर्ता पवन वर्मा, गंगा आश्रम सीहोर में मंडलोई मेडिकल स्टोर चलाते हैं। उन्होंने बताया कि 9 अक्टूबर की दोपहर करीब 12:30 बजे, दो पुरुष और दो महिलाएं उनके स्टोर पर आए। उन्होंने एबार्शन किट मांगी। जब वर्मा ने डॉक्टर की पर्ची दिखाने को कहा तो एक व्यक्ति ने किट हाथ में ली और फिर लौटा दी।

इसके बाद चारों ने खुद को पत्रकार बताते हुए अपने नाम अमित ठाकुर, प्रकाश दुबे, संजना मीना और सुहानी यादव बताएं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्मा अवैध रूप से दवाएं बेच रहे हैं और इस पर ड्रग इंस्पेक्टर से कार्रवाई कराने की धमकी दी। साथ ही, 30 हजार रुपए की मांग भी की गई। अमित ठाकुर ने अपना मोबाइल नंबर देकर 10 मिनट में जवाब देने को कहा, नहीं तो खबर चलाने की धमकी दी।

पहले भी कर चुके वसूली: पवन वर्मा ने इस घटना की सूचना दवा विक्रेता संघ (एसोसिएशन) को दी। संघ ने जानकारी बताया कि यही लोग पहले भी कृष्णा मेडिकल स्टोर, वैष्णवी मेडिकल, ताहिरी मेडिकल समेत कई दुकानों पर इसी तरह एबार्शन किट के बहाने धमकाकर पैसे वसूल चुके हैं। श्री साई मेडिकल स्टोर, ग्राम सतराना के संचालक श्याम बाबू से भी 5 हजार रुपए लिए थे। आरोपियों ने आष्टा, इछावर, बुधनी, नसरुल्लागंज और रेहटी में भी मेडिकल दुकानदारों को इसी तरह से निशाना बनाया।

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर: घटना की जानकारी मिलने के बाद दवा विक्रेताओं और बार एसोसिएशन के कुछ सदस्यों के साथ पवन वर्मा कोतवाली थाना पहुंचे। वहां पर गुरुवार देर रात आरोपी अमित ठाकुर, प्रकाश दुबे, संजना मीना और सुहानी यादव के खिलाफ बीएनएस की धारा 308(2) और 308(3) के तहत केस दर्ज किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपित जिले के बाहर के निवासी हैं और मामले की जांच जारी है।

शिवपुरी में सड़क किनारे लगे सब्जी ठेले हटाए

यातायात पुलिस ने दीपावली त्यौहार की बढ़ती भीड़ के कारण कार्रवाई की

शिवपुरी, एजेंसी। शिवपुरी में दीपावली के त्यौहार को लेकर यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए पुलिस और नगर पालिका ने संयुक्त कार्रवाई की है। शहर की सड़कों पर लगे सब्जी और फल के ठेले हटाए गए, जिससे लगने वाले जाम से निजात मिल सके।

शहर में अस्थाई सब्जी मंडी को हटाया: दीपावली नजदीक आने के साथ ही शहर की सब्जी मंडी के आसपास भीड़ बढ़ गई थी। सड़क किनारे दुकानदारों द्वारा ठेले लगाने से आम रास्ता संकरा हो गया था, जिससे सुबह और शाम के समय आवागमन में भारी दिक्कत और जाम की स्थिति बन रही थी। इसी समस्या को देखते हुए शुक्रवार सुबह यातायात पुलिस और नगर पालिका की एक संयुक्त टीम ने मानस भवन के पास सड़क पर लगी अस्थायी सब्जी मंडी को हटवाया। टीम ने वहां व्यापार कर रहे दुकानदारों को समझाया कि वे अपना व्यापार मंडी के अंदर करें,

ताकि नागरिकों को परेशानी न हो।

ठेले लगाने पर की जाएगी कार्रवाई: यातायात प्रभारी रणवीर सिंह यादव ने बताया कि दीपावली के कारण शहर में भीड़ बढ़ रही है। ऐसे में सड़क पर ठेले और दुकानें लगाने से यातायात बाधित हो रहा था। उन्होंने हटाए गए दुकानदारों को चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में फिर से सड़क पर दुकान लगाई गई तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यादव ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे सड़क पर वाहन खड़ा न करें और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दें। इसका उद्देश्य त्योहार के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था को रोकना है।

जुताई करने जा रहे किसान की ट्रैक्टर पलटने से मौत

खंडवा में मवेशियों को बचाने में बिगड़ा संतुलन

खंडवा, एजेंसी। खंडवा जिले की पंधाना तहसील में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में एक किसान की मौत हो गई। 52 वर्षीय किसान मनोहर पिता शंकर ट्रैक्टर से अपने खेत की जुताई करने जा रहे थे, तभी रास्ते में अचानक मवेशी आ गए। उन्हें बचाने की कोशिश में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया और वे उसके नीचे दब गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

ग्रामीणों ने ट्रैक्टर के नीचे से निकाला शव: यह घटना पंधाना-आरुद रोड पर हुई। ग्रामीणों के अनुसार, ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ते ही वह सड़क किनारे पलट गया। हादसा होते ही आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे।

उन्होंने मिलकर किसी तरह किसान को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी

जान जा चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही पंधाना थाने की टीआई दिलीप देवड़ा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल रवाना कर दिया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव में पसरा मातम: किसान की अचानक हुई मौत की खबर से गांव में मातम पसर गया है। परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने मृतक के परिवार के प्रति अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

एबीवीपी का टोल नाके पर हंगामा

संगठन मंत्री से अभद्रता के विरोध में आधे घंटे रुका यातायात

रायसेन, एजेंसी। रायसेन के सेहत गंज टोल नाके पर गुरुवार देर रात अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया। संगठन मंत्री के साथ अभद्र व्यवहार के विरोध में कार्यकर्ताओं ने धरना दिया, जिससे करीब आधे घंटे तक वाहनों का आवागमन बाधित रहा। एबीवीपी का आरोप है कि टोल नाका कर्मचारी रात के समय अवैध वसूली करते हैं और वाहन चालकों से दुर्व्यवहार भी करते हैं।

टोल नाके पर धरना, वाहनों की कतार लग गई: कार्यकर्ताओं ने बताया कि दो दिन पहले संगठन मंत्री के साथ भी अभद्रता की गई थी। इसी के विरोध में कार्यकर्ता टोल नाके पर पहुंचे और जिम्मेदार टोल कर्मचारी द्वारा माफी मांगने की मांग करते हुए धरने पर बैठ गए। इस दौरान टोल पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और कार्यकर्ताओं को समझाया। काफी समझाने-बुझाने के बाद स्थिति पर नियंत्रण पाया गया और यातायात फिर से सुचारु हो सका।

टोल मैनेजर ने हाथ जोड़ माफी मांगी: एबीवीपी के जिला संयोजक अश्विनी पटेल ने कहा कि जब तक अभद्र व्यवहार करने वाला कर्मचारी माफी नहीं मांगेगा, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

खरगोन में 3.40 लाख के गहनों की चोरी का खुलासा

नाबालिग ममेरा भाई ही निकला मास्टरमाइंड; 6 खरीदार भी गिरतार

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले की खलटांका पुलिस चौकी ने सिंगाचोरी गांव में हुई 3.40 लाख रुपए के गहनों की चोरी का खुलासा कर दिया है। इस मामले में फरियादी का नाबालिग ममेरा भाई ही मास्टरमाइंड निकला। उसी ने घर में पेटी में रखे गहने चुराए और उन्हें बेच दिया। पुलिस ने नाबालिग आरोपी के साथ चोरी के गहने खरीदने वाले 6 अन्य लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से सारे गहने जब्त कर लिए गए हैं।

शादी के लिए रखे गहने पेटी से हो गए थे गायब: सिंगाचोरी निवासी राहुल ने 27 सितंबर को खलटांका चौकी पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि मार्च 2025 में होने वाले पारिवारिक कार्यक्रम के लिए उसकी मां ने सोने के गहने घर की पेटी में रखे थे। 21 सितंबर को जब पेटी खोली तो गहने गायब थे।

पूछताछ में ममेरे भाई पर हुआ शक: मामला दर्ज होने के बाद बलकवाड़ा टीआई रितेश यादव और चौकी प्रभारी अजय दुबे की

टीम ने जांच शुरू की। परिवार वालों से पूछताछ के दौरान पुलिस को राहुल के नाबालिग ममेरे भाई पर शक हुआ। जब उसे अभिरक्षा में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने चोरी करने और गहने बेचकर पैसे खर्च करने की बात कबूल कर ली।

चोरी के गहने खरीदने वाले 6 लोग भी गिरफ्तार: नाबालिग से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने चोरी के आभूषण खरीदने वाले 6 आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया। इनमें धार जिले के खलघाट निवासी सोमनाथ जोशी, दीपेश अग्रवाल, ऋषि पाटीदार, लुन्हेरा खुर्द का ललित सोलंकी और सिंगाचोरी का अर्जुन सोलंकी शामिल है। पुलिस ने इनके पास से चोरी के सारे गहने बरामद कर लिए हैं।

नवजात की जान लेने वाली फर्जी डॉ.तैयबा पर FIR दर्ज

न डिग्री न परमिशन फिर भी चलता रहा फर्जी क्लिनिक और मेडिकल

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन में गलत इलाज कर नवजात की जान लेने वाली फर्जी महिला डॉ. तैयबा पर घटना के 7 दिन बाद पंवासा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया गया। जिसके बाद से डॉ. फरार बताई जा रही है। 6 माह में दो नवजात बच्चों की जान लेने वाली, डॉ. तैयबा के पास न डिग्री थी न क्लिनिक चलाने के लिए जरूरी संसाधन और न ही क्लिनिक का रजिस्ट्रेशन, फिर भी नियम विरुद्ध वो क्लिनिक के साथ-साथ एक मेडिकल भी फर्जी रजिस्ट्रेशन से संचालित कर रही थी। उज्जैन में 2 अक्टूबर को चिंतामन में रहने वाले लखन मालवीय की पत्नी काजल को डिलीवरी का दर्द होने पर शासकीय अस्पताल जीवाजीगंज में लेकर गये वहां पर मौजूद महिला सजनी तम्बोली ने डॉ. तैय्यबा शेख का पता बताया। डॉ. तैयबा शेख के मक्सी रोड़ पर स्थित पंवासा क्षेत्र के आशीर्वाद हॉस्पिटल में काजल का चैक अप किया और उन्होंने बता दिया कि बच्चे के हाथ पैर नहीं बने हैं। उन्होंने विशेष हॉस्पिटल में जाकर दोपहर 01.00 बजे भर्ती कराया और इलाज शुरू कर दिया एवं खून की बॉटल उनके द्वारा मरीज को लगाई गई।

मरीज को ज्यादा पीड़ा होने लगी तब परिजनों द्वारा छुट्टी की गुहार लगाई तो उनके द्वारा इमरजेंसी बताकर बताया कि पेट में जहर फैल जाएगा शहर के बड़े निजी अस्पताल ले जाने का बोला। यहां से पहले अपना अस्पताल ले गए वहा से काजल और उसके परिजनों को छोड़कर डॉ. तैयबा भाग गई। इसके बाद परिजन काजल को एसएन कृष्णा अस्पताल में लेकर आए जहां पर काजल की नार्मल डिलीवरी हुई, लेकिन बच्चे की मौत हो गई थी।

बीच में छोड़कर भागी थी मरीजों को: घटना में सिर्फ डॉ. तैयबा अकेली दोषी नहीं है। उसके साथ देने वाले अस्पताल भी उतने ही दोषी हैं। दरअसल आरोपी महिला डॉ गर्भवती काजल को पहले विशेष अस्पताल लेकर गई, इसके बाद उसका रात तक इलाज करती रही। यहां पर तबीयत बिगड़ी तो पाटीदार ब्रिज के पास अपना अस्पताल ले कर गई। यहां काजल की बिगड़ती हालत देखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने उसे भर्ती करने से इंकार कर दिया। जिसके डॉ. तैयबा पति के साथ फरार हो गई।

फीफा 2026 विश्व कप क्वालीफायर, स्कॉटलैंड, नीदरलैंड्स और डेनमार्क का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। फीफा 2026 विश्व कप क्वालीफायर में स्कॉटलैंड ने ग्रीस पर 3-1 से शानदार जीत दर्ज करते हुए अपनी संभावनाओं को मजबूत किया है। वहीं, नीदरलैंड्स, डेनमार्क और ऑस्ट्रिया ने अपने प्रदर्शन से फैंस को प्रभावित किया। ग्रुप-सी के मुकाबले में हैम्पडेन पार्क में अपने पिछले दौरे में 3-0 से जीत हासिल करने वाली ग्रीस की टीम ने इस मैच में भी शानदार शुरुआत की। कोस्टास सिमिकास ने 62वें मिनट में गोल करते हुए ग्रीस को 1-0 से बढ़त दिलाई। हालांकि, ग्रीस की खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिक पाई। स्कॉटलैंड की ओर से रयान क्रिस्टी ने दो मिनट बाद (64वें मिनट) ही नजदीकी रेंज से गोल दागा। लुईस फर्ग्यूसन ने 80वें मिनट में गोल करते हुए स्कॉटलैंड को 2-1 से बढ़त दिला दी। ग्रुप-सी के एक अन्य मैच में रासमस होजलुंड ने दो गोल दागकर डेनमार्क को हंगरी के खिलाफ 6-0 से जीत दिलाई। इसी के साथ जर्मनी ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि स्कॉटलैंड, ग्रीस और बेलारूस क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे पायदान पर मौजूद हैं।

ग्रुप-जी में नीदरलैंड्स ने माल्टा को 4-0 से हराया। इस मुकाबले में कोडी गाकपो ने 12वें और 48वें मिनट में गोल दागे। विपक्षी टीम एक अदद गोल के लिए तरसती रह गई। नीदरलैंड की टीम इस ग्रुप में शीर्ष पर है। ग्रुप-एच में ऑस्ट्रिया ने सैन मैरिनो पर 10-0 से बड़ी जीत दर्ज की। इस मुकाबले में मार्को अनौटोविक ने चार (8वें मिनट, 47वें मिनट, 83वें और 84वें मिनट) गोल दागे। इसी के साथ मार्को अनौटोविक ऑस्ट्रिया के सर्वकालिक रिकॉर्ड स्कोरर बन गए हैं। मार्को ने इस देश के लिए 45 गोल दागे हैं। वह टोनी पोलस्टर से एक कदम आगे हैं। ग्रुप-एच में ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर मौजूद है, जबकि सैन मैरिनो पांचवें पायदान पर है। इस ग्रुप में बोस्निया एंड हर्जेगोविना दूसरे, रोमानिया तीसरे और साइप्रस चौथे स्थान पर मौजूद हैं।

दूसरे टेस्ट से पहले विवियन रिचर्ड्स और ब्रायन लारा की टीम को सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले दिग्गज पूर्व क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स और ब्रायन लारा ने रोस्टन चेस की टीम को यही सलाह दी है कि वेस्टइंडीज क्रिकेट का ग्राफ भले ही नीचे को जा रहा हो लेकिन यहां से ऊपर उठने का जरिया सिर्फ आत्मविश्वास और सही रवैया है। वेस्टइंडीज के तीन पूर्व कप्तान रिचर्ड्स, लारा और रिची रिचर्डसन दिल्ली में हैं और बुधवार को एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान टीम से मिले। चेस ने मैच से एक दिन पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'कल हमारा एक टीम कार्यक्रम था और मैंने तीनों (रिचर्ड्स, लारा और रिचर्डसन) से बात की। उन्होंने हमें कहा कि खुद पर भरोसा बनाये रखो। स्थिति अभी खराब है लेकिन यह बदलेगी। तीनों ने टीम से सकारात्मक क्रिकेट खेलने का आग्रह किया। चेस ने कहा, 'बदलाव की शुरूआत अभी होगी और यह आत्मविश्वास और हर खिलाड़ी की सोच से होगी। मेरा फोकस उन्हें प्रेरित करते रहने पर है और हम सकारात्मक क्रिकेट खेलते रहेंगे।

आखिर क्यों भारत के खिलाफ दिल्ली टेस्ट में काली पट्टी बांधकर उतरे वेस्टइंडीज के खिलाड़ी?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में जारी दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज के खिलाड़ी अपनी बांह पर काली पट्टी बांधकर उतरे हैं। खिलाड़ियों ने पूर्व ऑलराउंडर बर्नार्ड जूलियन को श्रद्धांजलि देने के लिए ऐसा किया है। साल 1975 में विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे जूलियन 4 अक्टूबर को दुनिया छोड़ गए। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, वेस्टइंडीज के खिलाड़ी भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन पूर्व खिलाड़ी बर्नार्ड जूलियन के सम्मान में बांह पर काली पट्टियां बांध रहे हैं। बर्नार्ड का पिछले सप्ताह निधन हो गया था। ऑलराउंडर जूलियन 1975 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य थे। 1970 के दशक

में वेस्टइंडीज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जूलियन ने 24 टेस्ट मुकाबलों में 866 रन बनाने के साथ 50 विकेट अपने नाम किए थे। उन्होंने 12 वनडे मुकाबलों में 86 रन बनाए और 18 विकेट लिए।

विश्व कप 1975 में बर्नार्ड जूलियन ने 5 मुकाबलों में 17.70 की औसत के साथ 10 विकेट हासिल किए थे। उन्होंने श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबलों में 4-4 विकेट हासिल किए। बतौर ऑलराउंडर क्रिकेट जगत में अपनी गहरी छाप छोड़ने वाले जूलियन ने साल 1973 में इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर 121 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी। उल्लेखनीय है कि वेस्टइंडीज की टीम ने साल 1987 में अंतिम बार दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारत के विरुद्ध टेस्ट मैच जीता था। भारत के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट को पारी और 140 रन से गंवा चुकी वेस्टइंडीज इस मुकाबले में हर हाल में जीत दर्ज करना चाहेगी। अगर यह मैच ड्रॉ भी रहा, तो सीरीज भारत के नाम होगी। हालांकि, पिछले मुकाबले में मेहमान टीम के निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए इस मुकाबले में भी मेजबान टीम का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। टीम इंडिया इस मुकाबले में बिना किसी बदलाव के उतरी है। जबकि वेस्टइंडीज की टीम ने दो बदलाव किए हैं। ब्रैंडन किंग और जोहान लेने इस मैच से बाहर हैं। उनके स्थान पर एंड्रसन फिलिप और तेविन इमलाच को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया है।

महिला विश्व कप : स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास, वनडे में एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बनीं

विशाखापत्तनम, एजेंसी । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने विशाखापत्तनम में शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में इतिहास रच दिया। मंधाना एक कैलेंडर वर्ष में वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। मंधाना ने 26 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मंधाना ने 33 गेंदों पर 23 रन बनाए। इस दौरान 11वां रन बनाते ही वह एक कैलेंडर वर्ष में वनडे में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई। मंधाना ने इस साल 17 वनडे मैचों की 17 पारियों में 4 शतक और 3 अर्धशतक लगाते हुए 982 रन बनाए हैं। पूर्व का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई ब्लेंडा क्लार्क के नाम था। क्लार्क ने 1997 में 970 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट 2022 में 882 रन बनाकर इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

मंधाना के पास एक कैलेंडर वर्ष में 1000 या उससे अधिक रन बनाने का मौका है, और ये उपलब्धि वो इसी विश्व कप में हासिल कर सकती हैं। हालांकि मंधाना का फॉर्म भारतीय टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में वह प्रचंड फॉर्म में थी और कई शतकीय पारियां खेली थी, लेकिन विश्व कप में उनका बल्ला अब तक खामोश रहा है। इस मैच में जब वह 23 रन पर खेल रही थी, तो ऐसा लग रहा था कि वह बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रही हैं। लेकिन, उनका खराब फॉर्म जारी रहा और अच्छी शुरुआत के बाद एक बार फिर वह बड़ा स्कोर बनाने में कामयाब नहीं हो सकीं। मंधाना विश्व कप के तीन मैचों में 8, 23, और 23 रन बना सकीं। उनकी असफलता भारतीय टीम की बल्लेबाजी कमजोर कर रही है और परेशानी बढ़ा रही है। टूर्नामेंट में अगर भारतीय टीम को अच्छा करना है, तो मंधाना को फॉर्म में वापस लौटना होगा।

महिला विश्व कप - ऋचा घोष पर भारी पड़ी नादिन डी क्लर्क की पारी, दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 3 विकेट से हराया

विशाखापत्तनम, एजेंसी। महिला विश्व कप 2025 के बेहद अहम मुकाबले में भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम द्वारा दिए 252 रन के लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीका ने 48.5 ओवर में 7 विकेट खोकर हासिल कर लिया। 252 का लक्ष्य हासिल करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान लौरा वोल्वार्ट के 111 गेंद पर 70, नादिन डी क्लर्क के 54 गेंद पर नाबाद 84, और क्लो ट्रायोन के 66 गेंद पर 49 रन की पारी की मदद से 48.5 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 252 रन बनाकर मैच जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका एक समय 142 पर 6 विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। इस समय मैच भारत की तरफ मुड़ता हुआ दिख रहा था। लेकिन ट्रायोन और क्लर्क ने सातवें विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी कर भारतीय टीम की जीत के मंसूबे पर पानी फेर दिया। क्लार्क ने 54 गेंद पर खेली 84 रन की नाबाद पारी में 5 छक्के और 8 चौके लगाए।

इससे पहले एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 251 रन बनाए थे। भारतीय टीम को प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने गंभीर शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 55 रन जोड़े। मंधाना 23 रन बनाकर आउट हुईं। प्रतिका भी 37 रन बनाकर आउट हुईं। इन दोनों के अलावा टॉप ऑर्डर के सभी बल्लेबाज फ्लॉप रहे। हरलीन देओल 13, कप्तान हरमनप्रीत कौर 9, और जेमिमा रोड्रिग्स 0 पर आउट हुईं। दीप्ति शर्मा 4 और अमनजोत कौर 13 रन बनाकर आउट हुईं। भारतीय टीम 40 ओवर में 153 रन पर 7 विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आई विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने टीम को संभाला। घोष ने अपने वनडे करियर का सातवां अर्धशतक लगाया। घोष 77 गेंद पर 11 चौके और 4 छक्के की मदद से 94 रन की पारी खेलकर आखिरी ओवर में आउट हुईं। वह नौवें विकेट के रूप में आउट हुईं। घोष ने स्नेहर राणा के साथ आठवें विकेट के लिए 53 गेंद पर 88 रन की तेज और अहम साझेदारी की। राणा 24 गेंद पर 6 चौके की मदद से 33 रन की अहम पारी खेल कर आउट हुईं। भारतीय टीम 49.5 ओवर में 251 रन पर सिमट गई थी। भारतीय टीम की तीसरे मैच में यह पहली हार है। हार के साथ भारतीय टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर चली गई है। पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया, दूसरे स्थान पर इंग्लैंड और चौथे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका है।

12 नवंबर को होगा मुंबई क्रिकेट संघ के चुनाव

मुंबई, एजेंसी। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने गुरुवार को चुनाव तारीखों की घोषणा की। घोषणा के मुताबिक 12 नवंबर को पदाधिकारियों, शीर्ष परिषद के सदस्यों और टी20 मुंबई लीग गवर्निंग काउंसिल के सदस्यों के चुनाव आयोजित किए जाएंगे। एमसीए के एक अधिकारी ने आईएएनएस को बताया, चुनाव पहले 23 अक्टूबर को होने थे, लेकिन त्योहारों के मौसम के कारण, यह निर्णय लिया गया कि हम चुनाव 12 नवंबर को कराएंगे ताकि किसी के उत्सव में खलल न पड़े। शीर्ष परिषद ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव और पूर्व राज्य चुनाव आयुक्त जे. एस. सहारिया को लगातार दूसरे वर्ष चुनावों की निगरानी के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। पिछले साल जुलाई में, संघ ने निवर्तमान सचिव अजिंक्य नाइक को अध्यक्ष नियुक्त किया था। वह इस पद पर आसीन होने वाले अब तक के सबसे कम उम्र के व्यक्ति थे। उन्होंने दिवंगत अमोल काले का स्थान लिया था। नाइक ने मुंबई भाजपा प्रमुख और बीसीसीआई कोषाध्यक्ष रहे आशीष शेलार द्वारा समर्थित उम्मीदवार संजय नाइक को 107 मतों से हराया था। अजिंक्य नाइक को 221 वोट मिले थे, जबकि संजय को 114 वोट मिले थे। बुधवार को हुई शीर्ष परिषद की बैठक के दौरान, एमसीए ने प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर की आदमकद प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया। पूर्व भारतीय कप्तान वेंगसरकर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं और उन्हें इस साल मार्च में एमसीए द्वारा प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया था। एमसीए ने होनहार युवा खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण और बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में अकादमियां स्थापित करने का भी निर्णय लिया। हाल ही में, एसोसिएशन ने वानखेड़े परिसर में सुनील गावस्कर की एक प्रतिमा का अनावरण किया। स्टेडियम में पहले से ही दिग्गज सचिन तेंदुलकर की एक प्रतिमा स्थापित है।

केएल राहुल ने WTC में विराट-रोहित के बड़े रिकॉर्ड की बराबरी की, ऐसा करने वाले सातवें भारतीय बल्लेबाज बने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज़ केएल राहुल के लिए साल 2025 शानदार प्रदर्शन का गवाह बनता जा रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ विदेशी धरती पर दो शतकों की मदद से टीम इंडिया को 2-2 की बराबरी दिलाने के बाद, राहुल ने अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) में एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है।

इंग्लैंड सीरीज में रहा शानदार प्रदर्शनः केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज़ में 500 से ज़्यादा रन बनाए और भारतीय बल्लेबाज़ी क्रम की रीढ़ बनकर उभरे। उनकी ठोस तकनीक और संयम ने उन्हें टीम का सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी बना दिया है।

WTC में बनाया बड़ा रिकॉर्ड - 2000 रन पूरेः वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन, राहुल ने WTC के इतिहास में 2000 रन पूरे करने वाले सातवें भारतीय बल्लेबाज़ बनने की उपलब्धि हासिल की। उन्हें यह रिकॉर्ड बनाने के लिए केवल 16 रनों की आवश्यकता थी, जिसे उन्होंने जेडन सील्स की गेंद पर लगातार दो चौके लगाकर शानदार अंदाज़ में पूरा किया।

विराट और रोहित के साथ खास सूची में शामिलः इस उपलब्धि के साथ ही केएल राहुल अब

विराट कोहली और रोहित शर्मा की उस खास सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने WTC में सबसे ज़्यादा रन बनाए हैं। वर्तमान में भारत की ओर से सबसे ज़्यादा WTC रन ऋषभ पंत (2731 रन) के नाम हैं, जो फिलहाल पैर की चोट से उबर रहे हैं। पंत ने छह शतक के साथ शीर्ष स्थान पर जगह बनाई है। उनके बाद रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, रवींद्र जडेजा और यशस्वी जायसवाल इस सूची में शामिल हैं।

WTC इतिहास में भारत के लिए सर्वाधिक रन

ऋषभ पंत - 38 मैच - 2731 रन
रोहित शर्मा - 40 मैच - 2716 रन
शुबमन गिल - 39 मैच - 2697 रन
विराट कोहली - 46 मैच - 2617 रन
रवीन्द्र जड़ेजा - 46 मैच - 2505 रन
यशस्वी जयसवाल - 26 मैच - 2251 रन
केएल राहुल - 31 मैच - 2003 रन

जो रूट का रिकॉर्ड अभी भी कायमः विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे ज़्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के जो रूट के नाम दर्ज है। उन्होंने अब तक 69 टेस्ट मैचों में 6080 रन बनाए हैं, जो किसी भी बल्लेबाज के लिए एक कठिन मानक है।

आगे का लक्ष्य - भारत की टेस्ट विरासत को आगे बढ़ानाः राहुल के लिए यह उपलब्धि सिर्फ व्यक्तिगत मील का पत्थर नहीं, बल्कि टेस्ट क्रिकेट में उनकी निरंतरता और समर्पण का प्रमाण है। आने वाले मैचों में वह भारत की बल्लेबाज़ी को स्थिरता देने और WTC 2025-27 चक्र में नई ऊँचाइयाँ छूने की कोशिश जारी रखेंगे।

खेलो क्रिएटर्स लीग की धमाकेदार शुरुआत, यशस्वी जयसवाल ने टेस्ट में ठोका सातवां शतक

सितारों, संगीत और खेल के रंग में रंगा जयपुर

जयपुर, एजेंसी। जयपुर में खेलो क्रिएटर्स लीग (केसीएल) एक ऐसी लीग का आज आगाज़ हुआ जिसमें कंटेंट क्रिएटर्स सिर्फ कैमरे के सामने नहीं, बल्कि मैदान में अपनी टीम को रिप्रेजेंट कर रहे है। डिजिटल दुनिया के स्टार क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स मैदान पर नज़र आये, तो माहौल तालियों और जोश से गूंज उठा। यह लीग 9 से 11 अक्टूबर तक जयपुर के सीतापुरा स्थित ज़ी स्टूडियोज़ में खेली जा रही है। इस अनोखी पहल का मकसद है – डिजिटल दुनिया की रचनात्मकता को खेल की ऊर्जा से जोड़ना। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रिंसिपल सेक्रेटरी, यूथ अफेयर्स और स्पोर्ट्स डेवलपमेंट, नीरज के. पवन ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्होंने कहा, यह शानदार पहल है, जो दिखाती है कि आज के डिजिटल क्रिएटर्स कितने ऊर्जावान और बहुमुखी हैं। यह सिर्फ खेल नहीं, एक नई सोच है। उद्घाटन समारोह किसी फिल्मी सीन से कम नहीं था। लाल परी फेम सिंगर सिमर कौर ने जब मंच संभाला, तो हर कोई झूम उठा। उनका लाइव कॉन्सर्ट पूरे माहौल में जोश और मस्ती भर गया, जिसने लीग

की शुरुआत को और भी धमाकेदार बना दिया। इस लोग में जोधाना वॉरियर्स (कप्तान विकल्प मेहता), बिकाना बुल्स (पंकज शर्मा), मेवाड़ मैवरिक्स (छोटू सिंह), शेखावटी स्पार्टन्स (राहुल चौधरी), पिंक सिटी पलटन (कुलदीप सिंघानिया) पांच टीमें, मैदान में मुकाबला और मस्ती करती दिखाई देंगी। हर टीम में सोशल मीडिया के जाने-माने चेहरे हैं, जो इस बार अपने फॉलोअर्स के लिए सिर्फ रील्स नहीं, बल्कि रन और विकेट लेकर आए हैं। खेलो क्रिएटर्स लीग के फाउंडर और सीईओ राहुल चौधरी ने कहा कि हम चाहते हैं कि क्रिएटर्स सिर्फ स्क्रीन तक सीमित न रहें, बल्कि खेल के ज़रिए फिटनेस, टीमवर्क और पॉज़िटिव एनर्जी का संदेश दें। अटलैंचर स्पोर्ट्स के सीईओ और फाउंडर शुभम चौधरी ने बताया कि यह लीग सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक प्रोफेशनल स्पोर्टिंग एक्सपीरियंस है, जहां हर चीज़ का प्रबंधन बड़े स्तर पर किया गया है।

शुभमन गिल और रवि शास्त्री का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने शुक्रवार को दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में अपने टेस्ट करियर का सातवां टेस्ट शतक लगाया। इस शतक के साथ उन्होंने शुभमन गिल और रवि शास्त्री का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है जबकि एलेस्टेयर कुक और जावेद मियांदाद की एलीट लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

आज यहां यशस्वी ने खारी पियरे की पहली गेंद पर दो रन लेकर अपना सातवां शतक पूरा किया। उन्होंने 145 गेंदों में 16 चौके लगाते हुए अपना शतक बनाया। जायसवाल का सातवां टेस्ट शतक 24 साल की उम्र से पहले आया, केवल तीन खिलाड़ियों ने इससे अधिक शतक बनाए है।

इस उम्र में ऑस्ट्रेलिया के डॉन ब्रैडमैन ने (12) शतक, सचिन तेंदुलकर ने (11) शतक, और गारफील्ड सोबर्स ने (9) शतक बनाने वालों में है। अब वह जावेद मियांदाद, ग्रीम स्मिथ, एलेस्टियर कुक और केन विलियमसन के साथ सात-सात शतक लगाने वाले क्लब में शामिल हो गए है।

23 साल की उम्र में सबसे ज़्यादा टेस्ट शतक

12 - डोनाल्ड ब्रैडमैन (ऑस्ट्रेलिया), 26 पारियों में
11 - सचिन तेंदुलकर (भारत), 80 पारियों में
9 - गैरी सोबर्स (वेस्टइंडीज), 54 पारियों में
7 - यशस्वी जायसवाल (भारत), एलेस्टेयर कुक (इंग्लैंड), जावेद मियांदाद (पाकिस्तान), ग्रीम स्मिथ (दक्षिण अफ्रीका), केन विलियमसन (न्यूज़ीलैंड)
23 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज़्यादा शतक
22 - सचिन तेंदुलकर (220 पारियां)
15 - विराट कोहली (119 पारियां)
8 - यशस्वी जायसवाल (71 पारियां)*
7 - रवि शास्त्री (110 पारी)
7 - शुभमन गिल (73 पारी)

संजय गांधी अस्पताल में डॉक्टर का हंगामा

शराब के नशे में धुत होकर मचाया उत्पात, खुद को कमरे में किया बंद; पकड़ने गार्ड्स भेजने पड़े

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संभाग के सबसे बड़े संजय गांधी अस्पताल में एक डॉक्टर द्वारा शराब के नशे में हंगामा करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मेडिसिन विभाग के नर्सिंग ऑफिसर डॉ. विवेक ने गुरुवार रात को नशे में धुत होकर वॉर्ड में जमकर उत्पात मचाया और खुद को एक कमरे में बंद कर लिया। अन्य डॉक्टरों की शिकायत पर अस्पताल प्रबंधन ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है।

दूसरे डॉक्टरों ने लिखकर की थी शिकायत: घटना गुरुवार रात की है, जब मेडिसिन विभाग के वॉर्ड नंबर 4 में मरीज अपना इलाज करा रहे थे। इसी दौरान डॉ. विवेक ने नशे की हालत में हंगामा शुरू कर दिया, जिससे सभी हैरान रह गए। परेशान होकर वॉर्ड के अन्य डॉक्टरों ने प्रबंधन से इसकी लिखित शिकायत की।

अस्पताल प्रबंधन ने खुद पुलिस को बुलाया: शिकायत मिलने पर अस्पताल प्रबंधन ने मामले को दबाने की बजाय खुद एक्शन लिया। सीएमओ डॉ. यत्नेश त्रिपाठी ने बताया, शिकायत के बाद सिक्योरिटी गार्ड्स को मौके पर भेजा गया, जिन्होंने डॉक्टर को पकड़कर बाहर निकाला। इसके बाद हमने खुद पुलिस को सूचना दी।

सीएमओ बोले- यह अनुशासनहीनता, होगी कार्रवाई: सीएमओ डॉ. यत्नेश त्रिपाठी ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, यह बात सही है कि वो उत्पात मचा रहे थे। उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया है और रिपोर्ट पुलिस को सौंप दी गई है। इस तरह का असंवेदनशील कृत्य अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। इस पर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और उच्च अधिकारियों को भी सूचित कर दिया गया है। अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर पुलिस ने आरोपी डॉक्टर को संजय गांधी अस्पताल चौकी में रखा है। पुलिस अस्पताल प्रबंधन और अन्य डॉक्टरों के बयानों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

बकाया टैक्स पर नगर निगम का एक्शन, स्टेडियम के पास 2 दुकानें की सील; कई ने मौके पर जमा किए हजारों रुपए

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम ने बड़े बकायादारों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। निगम कमिश्नर डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर गुरुवार को वार्ड क्रमांक 9 में स्टेडियम के पास दो दुकानों को सील कर दिया गया। इन पर 27-27 हजार रुपए से ज्यादा का संपत्ति कर बकाया था। निगम की तालाबंदी की कार्रवाई देखकर कई अन्य बकायादारों ने मौके पर ही हजारों रुपए जमा कर दिए।

कार्रवाई देख 8 दुकानदारों ने तुरंत जमा किया टैक्स: इसी कॉम्प्लेक्स के 8 अन्य दुकानदारों ने सीलिंग की कार्रवाई होते देख, 10 हजार से 15 हजार रुपए तक की बकाया राशि मौके पर ही जमा करा दी, जिससे उनकी दुकानें सील होने से बच गईं।

वार्ड 18 में महिला ने दिया 40 हजार का चेक: इसके अलावा, वार्ड 18 में भी तालाबंदी की कार्रवाई के दौरान मकान मालिक उर्मिला सिंह ने बकाया संपत्ति कर के रूप में 40,000 रुपए का चेक मौके पर ही टीम को सौंप दिया।

कमिश्नर बोले- बकाया जमा करें, कार्रवाई से बचें: नगर निगम आयुक्त सौरभ सोनवणे ने कहा है कि जो करदाता समय पर टैक्स जमा नहीं करेंगे, उनके खिलाफ यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने सभी बकायादारों से अपील की है कि वे समय पर अपना टैक्स जमा करें और इस तरह की अप्रिय कार्रवाई से बचें।

पटवारी का धमकी भरा वीडियो, नईगढ़ी तहसील के भरिगवां में किसान से अभद्रता का आरोप

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में राजस्व विभाग के कर्मचारियों की ओर से किसानों से रिश्वत मांगने और उन्हें परेशान करने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ताजा घटना नईगढ़ी सर्किल के ग्राम पंचायत भरिगवां की है, जहां पदस्थ हल्का पटवारी पवन शुक्ला का एक धमकी भरा वीडियो गुरुवार रात सामने आया है। इसमें पटवारी किसान से अभद्र भाषा में बात करते हुए उसे खुलेआम धमकी देता नजर आ रहा है।

पीड़ित किसान ने आरोप लगाया है कि पटवारी पवन शुक्ला लंबे समय से किसानों से पैसों की वसूली कर रहा है। रिश्वत न देने पर किसानों को मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। किसान ने बताया, पटवारी खुलेआम रिश्वत मांगता है, और जो किसान पैसे देने से मना करता है, उसके साथ बदसलूकी की जाती है, अपमानित किया जाता है।

इस संबंध में पीड़ित किसान ने कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार को लिखित शिकायत भी सौंपी है। जिले में अधिकांश पटवारी अपने हल्कों से अनुपस्थित रहकर तहसील और जिला मुख्यालयों में डेरा डाले रहते हैं। इससे किसानों को अपने कार्यों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता है और उनकी सुनवाई नहीं हो पाती।

किसान महासचिव बोले- कांग्रेस में ब्राह्मणों की हिस्सेदारी सुनिश्चित हो, वंशवाद को पार्टी की दुर्गति का मुख्य कारण बताया

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। विंध्य क्षेत्र में कांग्रेस संगठन के भीतर ब्राह्मण समाज की हिस्सेदारी को लेकर सियासत तेज हो गई है। किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव आर.बी. शर्मा ने पार्टी में ब्राह्मणों की उपेक्षा पर चिंता जताई है। उन्होंने वंशवाद को भी कांग्रेस की वर्तमान दुर्गति का प्रमुख कारण बताया। शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी के जिसकी जितनी भागीदारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी के सिद्धांत का विंध्य में पालन नहीं हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि जब-जब कांग्रेस ने ब्राह्मण समाज को टिकट दिया, तब-तब जीत सुनिश्चित हुई, लेकिन इसके बावजूद यह समुदाय पार्टी में उपेक्षित है, जबकि विंध्य प्रदेश में यह बहुसंख्यक है।

ब्राह्मण समाज की सहभागिता पर चिंतन बैठक: इस मुद्दे पर 11 अक्टूबर को मऊगंज के उत्सव पैलेस में एक चिंतन बैठक आयोजित की जाएगी। ब्राह्मण समाज की कांग्रेस में सहभागिता और संगठन सुदृढ़ीकरण विषय पर होने वाली इस बैठक में क्षेत्र के कई वरिष्ठ ब्राह्मण नेता शामिल होंगे। इस संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता में किसान कांग्रेस के महासचिव राम बहादुर शर्मा (आर.बी. शर्मा), पीसीसी सदस्य डॉ. विनोद शुक्ला, कांग्रेस नेता तेज प्रताप तिवारी और राजीव तिवारी उपस्थित रहे। रिटायर्ड डीएसपी और कांग्रेस महासचिव आर.बी. शर्मा ने कहा कि कांग्रेस की मौजूदा स्थिति के लिए वंशवाद मुख्य रूप से जिम्मेदार है। उन्होंने बताया कि रीवा संभाग में 25 से 29 प्रतिशत ब्राह्मण मतदाता हैं, लेकिन कांग्रेस में उनकी भागीदारी न्यूनतम है, जिसके कारण ब्राह्मण समाज पार्टी से दूर होता जा रहा है।

राहुल गांधी संगठन को लोकतांत्रिक बनाना चाहते हैं: शर्मा ने याद दिलाया कि कभी विंध्य में श्रीनिवास तिवारी और मऊगंज में उदय प्रकाश मिश्रा, रामधनी मिश्रा और अच्युतानंद मिश्र जैसे ब्राह्मण नेता कांग्रेस की जीत की पहचान थे, लेकिन आज ऐसा नेतृत्व अनुपस्थित है। वंशवाद पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संगठन को लोकतांत्रिक बनाना चाहते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर परिवारवाद हावी है।

जब तक यह समाप्त नहीं होगा, कांग्रेस को फिर से सशक्त बनाना कठिन होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी विशेष जाति का समर्थन करना नहीं, बल्कि कांग्रेस के पुनर्निर्माण और उसकी विचारधारा के पुनर्जागरण का है।

बढ़ाया जाए धान पंजीयन का समय: शिव सिंह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता और संयुक्त किसान मोर्चे के नेता शिव सिंह ने रीवा जिले सहित समूचे मध्य प्रदेश में धान विक्रय पंजीयन की समय सीमा बढ़ाए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि 10 अक्टूबर तक धान विक्रय हेतु पंजीयन कराने की समय सीमा निर्धारित की गई थी, लेकिन अभी तक किसानों के 50 प्रतिशत भी पंजीयन नहीं हो सके हैं। किसानों का कहना है कि जिनकी जमीनें संयुक्त खाते में दर्ज हैं, लेकिन वे आपसी बटवारे के तहत खेती अलग-अलग कर रहे हैं, उनके पंजीयन नहीं किए जा रहे हैं। पहले ऐसे किसानों के पंजीयन होते रहे हैं, जिससे उनकी फसल बिक्री में कोई समस्या नहीं होती थी।

शिव सिंह ने यह भी कहा कि सभी किसानों के पंजीयन न होने से धान बिक्री में असुविधा होगी। जवा क्षेत्र के किसान नेता राजेश्वरी सिंह ने बताया कि उनके क्षेत्र में केवल 47 प्रतिशत ही पंजीयन हो पाए हैं। उन्होंने एक हफ्ते का समय और बढ़ाने की मांग की, ताकि सभी किसान अपना पंजीयन करा सकें। किसानों ने सरकार से अपील की है कि वे इस मुद्दे को गंभीरता से लें और पंजीयन की समय सीमा बढ़ाएं। यदि समय सीमा नहीं बढ़ाई गई, तो किसानों को धान बेचने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। शिव सिंह और अन्य किसान नेताओं की मांग है कि सरकार किसानों को पंजीयन कराने का पर्याप्त समय प्रदान करे, ताकि वे अपनी फसल को सही तरीके से बेच सकें और आर्थिक रूप से सुरक्षित रह सकें।

कांग्रेस ने कैंडल मार्च निकालकर दी श्रद्धांजलि, नेता बोले- दवा के नाम पर हुआ नरसंहार; सीएम से इस्तीफा की मांग की

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। छिंदवाड़ा के परासिया में जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौत के विरोध में कांग्रेस ने प्रदेशभर में श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित कीं। इसी कड़ी में मऊगंज जिले के हनुमना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्र मिश्रा और जिलाध्यक्ष हरीलाल आदिवासी के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाला। इस दौरान मृत बच्चों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर मासूमों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उपस्थित नेताओं ने सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की।

यह मामला मानवता को झकझोर देने वाली है: कांग्रेस नेता वीरेंद्र मिश्रा ने इस घटना को मानवता को झकझोर देने वाली बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि दवा के नाम पर हुआ नरसंहार है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के कारण स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है।

उन्होंने कहा, कमीशन की इस सरकार में मासूम बच्चों की जानें चली गईं, यह माफी योग्य नहीं है। कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री मोहन यादव और उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ऐसी जनविरोधी और भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी। इस श्रद्धांजलि सभा में ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्र मिश्रा, जिला अध्यक्ष हरीलाल आदिवासी, महासचिव निलेश केसरी (बच्चा भैया), अमृत लाल शुक्ला, शैलजा गुप्ता, अमित मिश्रा, लालजी जायसवाल, देवकी शुक्ला और अशोक पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश पीएचडी परिणाम छात्रों में 90प्रतिशत असंतोष

जल्द अगर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो एनएसयूआई करेगा बड़ा आंदोलन: पंकज उपाध्याय

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एनएसयूआई रीवा द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा में 90% छात्रों के असफल होने पर मूल्यांकन प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए। परिणामों में अनियमितता के आरोप लगाते हुए कहा गया कि पीएचडी प्रवेश परीक्षा 2025 के परिणामों ने विद्यार्थियों और अभिभावकों में गंभीर असंतोष पैदा कर दिया है। परीक्षा के घोषित परिणामों में लगभग 90 प्रतिशत परीक्षार्थी असफल घोषित किए गए हैं, जिससे विश्वविद्यालय की मूल्यांकन प्रणाली और पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लग गया है। सूत्रों के अनुसार, विश्वविद्यालय के सभी विभागों, जैसे विधि, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान और शारीरिक शिक्षा में अत्यंत खराब परिणाम आए हैं। शारीरिक शिक्षा विभाग में तो एक भी विद्यार्थी उत्तीर्ण नहीं हुआ।

एनएसयूआई का आरोप है कि परिणाम संदिग्ध हैं और विश्वविद्यालय के परीक्षा परिणाम में अनियमितता के सवाल लंबे समय से उठते आ रहे हैं। पीएचडी परीक्षा में शामिल छात्रों ने कहा कि विश्वविद्यालय में छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और कुछ विशेष व्यक्तियों को लाभ पहुंचाया गया है। एनएसयूआई

जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा कि प्रबंधन ने जांच की बात कही थी, लेकिन अब तक कोई रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। छात्रों ने मध्यप्रदेश के राज्यपाल को औपचारिक शिकायत पत्र भेजा है, लेकिन उसका कोई निष्कर्ष नहीं निकला।

उपाध्याय ने मांग की कि पीएचडी प्रवेश परीक्षा की पूरी प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच कराई जाए। यदि गड़बड़ी पाई गई, तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जांच शीघ्र प्रारंभ नहीं हुई, तो एनएसयूआई बड़े स्तर पर प्रदर्शन करेगा।

ग्राम पंचायत गाढ़ा 137 के सचिव को स्थानांतरित किए जाने की मांग, कांग्रेस नेता ने एसडीएम जवा को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जवा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत गाढ़ा 137 में पदस्थ सचिव अनिल कुमार मिश्रा के द्वारा लगातार लापरवाही बरती जा रही है। इस संबंध में कई बार जवा जनपद के सीईओ सहित अन्य अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। कांग्रेस नेता धनेंद्र पांडेय नत्थू ने जवा एसडीएम को ज्ञापन देकर मांग की है कि ऐसे लापरवाह सचिव को तत्काल अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए, वरना 17 अक्टूबर 2025 से आमरण अनशन किया जाएगा।

पांडेय ने आरोप लगाया कि सचिव अनिल कुमार मिश्रा पंचायत में कोई कार्य नहीं कर रहे हैं और न ही कभी ग्राम पंचायत आते हैं, जिससे ग्रामीण महत्वपूर्ण योजनाओं से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त जैसे पावन पर्व पर सचिव द्वारा ध्वजारोहण नहीं किया गया। लाखों की राशि का आहरण तो हुआ, लेकिन कार्य नहीं हुए, जिसके कारण ग्रामीणों में आक्रोश है।

हाल ही में 2 अक्टूबर को ग्राम सभा का आयोजन होना था, लेकिन वह भी नहीं किया गया। पांडेय ने कहा कि इनकी लापरवाही और तानाशाही के बावजूद अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने एसडीएम जवा को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही स्थानांतरण नहीं किया गया, तो ग्रामीणों के साथ 17 अक्टूबर 2025 से आमरण अनशन करेंगे।

सभी एकल नलजल योजनाओं से एक माह में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करें: कलेक्टर

समूह नलजल योजनाओं से जुड़े निर्माण कार्य जनवरी तक पूरे करें: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने नलजल योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी एकल नलजल योजनाओं का निर्माण कार्य एक माह में पूरा करके पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करें। जिन स्थानों में टंकियों का निर्माण शेष है वहाँ स्पॉट सोर्स से पानी की आपूर्ति कराएं। नलजल योजनाओं की निर्माणाधीन 52 टंकियों का निर्माण समय पर पूरा कराएं। सहायक यंत्री तथा उपयंत्री लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर नलजल योजनाओं को चालू रखना सुनिश्चित करें। नलजल योजनाओं के निर्माण कार्यों में किसी भी तरह की बाधा आने

पर तत्काल अवगत कराएं। कलेक्टर ने कहा कि नलजल योजनाओं के लिए क्षतिग्रस्त सड़कों में सुधार का कार्य तत्परता से कराएं।

कलेक्टर ने कहा कि समूह नलजल योजनाओं के कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं है। निर्माण कार्यों में तेजी लाकर जनवरी माह तक सभी निर्माण कार्य पूरे करें। अगले वर्ष मार्च माह से समूह नलजल योजनाओं से पानी की आपूर्ति कराएं। इसके लिए गांव में पाइपलाइन बिछाने तथा घरों में कनेक्शन का कार्य तेजी से कराएं। कर्दैला समूह नलजल योजना का शेष कार्य एक माह में अनिवार्य रूप से पूरा कराएं। नलजल योजनाओं के संबंध में मिल रही शिकायतों का तत्परता से निराकरण करें। निर्धारित लक्ष्य के अनुसार हर घर में नल कनेक्शन दें। पूर्ण नलजल योजनाओं को जनपद पंचायत से सत्यापित कराकर ग्राम पंचायतों को समारोह पूर्वक हैण्डओवर कराएं।

बैठक में कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय ने बताया कि जिले में स्वीकृत 509 एकल नलजल योजनाओं में से 225 ग्राम पंचायतों को हैण्डओवर कर दी गई हैं। अभी 187 नलजल योजनाओं का कार्य प्रगति पर है। इन्हें दिसम्बर माह तक ग्राम पंचायतों को हैण्डओवर कर दिया जाएगा। निर्माणाधीन 132 टंकियों में से 80 का कार्य पूरा कर लिया गया है। जिले की पुनरीक्षित 284 नलजल योजनाओं में से 150 के टेण्डर जारी कर दिए गए हैं। जल निगम के जिला प्रबंधक चित्रांशु ने बताया कि रीवा बाणसागर समूह नलजल योजना तथा सतना बाणसागर समूह नलजल योजना में इंटेक वेल और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य दिसम्बर माह तक पूरा हो जाएगा। सभी समूह नलजल योजनाओं से आगामी मार्च माह से पानी प्रदाय करने का प्रयास किया जा रहा है। बैठक में जल निगम तथा पीएचई के सहायक यंत्री, उपयंत्री और निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आदि कर्मयोगी अभियान अन्तर्गत जिला एक्सन प्लान तैयार करने हेतु अधिकारियों को सौंपे गये दायित्व

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आदि कर्मयोगी अभियान विजन-2030 अन्तर्गत जिला एक्सन प्लान तैयार करने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को दायित्व सौंपे गये हैं। कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर जिले के आदि कर्मयोगी में चयनित 424 ग्रामों के लिए विभागीय अधिकारी एक्सन प्लान तैयार करेंगे। एक्सन प्लान ने आवास, शौचालय, शुद्ध पेयजल, जल प्रबंधन, विद्युतीकरण, आजीविका, उज्जवला योजना, सोलर पैनल, आधार, आयुष्मान, राशन पात्रता पर्ची, मनरेगा जॉब कार्ड, संबल कार्ड, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, पीएम जनधन योजना, जाति प्रमाण-पत्र, समग्र आईडी, डीबीटी लिंक बैंक खाता, किसान क्रेडिट कार्ड, खाद एवं बीज की उपलब्धता तथा कियोस्क सुविधा को शामिल किया गया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।